चैत्र शुक्ल पक्ष- 4, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 255 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
22 मार्च 2026 रविवार

आज का मौसम
30.2 अधिकतम
15.6 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

ईरान की तैयारी को समझे बगैर हमला करके बड़ी भूल कर बैठे ट्रम्प ?

वॉर एनालिसिस

● राजेश सिरोठिया

ईरान के खिलाफ जंग इतनी लंबी खिंचेगी इसका सही और सटीक अंदाजा और क्या डोनाल्ड ट्रम्प को था ? ईरान की लंबी तैयारियों को लेकर अमेरिका को सही जानकारी थी ? यह यक्ष प्रश्न बनकर दोनों हमलावर देशों के कर्ताधर्ताओं ज़ेहन में शायद अभी घुमड़ रहे होंगे। ख़ासतौर से ब्रिटेन और यूएसए के डियागो गर्सिया में स्थित साझा सैन्य बेस पर ईरान के मिसाइल हमले के बाद तो सवालों की गंभीरता बढ़ गई है। ईरान का यह हमला ब्रिटेन द्वारा अपने बेस के सैन्य इस्तेमाल की अनुमति देने के बाद की कार्रवाई है। हालांकि पहले ब्रिटेन ने इससे इनकार किया था।

ईरान की ताकत सिर्फ उसकी सेना नहीं, बल्कि उसका क्षेत्रीय नेटवर्क है। लेकिन, ट्रम्प उसकी इसी डॉक्ट्रिन को समझने में देर कर बैठे। वह जंग के मैदान में जाकर एक ऐसे चक्रव्यूह फंस गए जहाँ घुसना जितना आसान था, निकलना बेहद कठिन हो रहा है। वे ऐसी मझधार में उलझे हैं जहाँ से उनका बाइज्जत निकलना नामुमकिन सा दिखता है। इसमें कोई शक नहीं कि वे निकलने का कोई न कोई रास्ता देर सबेर खोज ही लेंगे पर उसकी जो कीमत चुकानी पड़ेगी, उसने उनके आत्म विश्वास को भीतर से हिलाकर रख दिया है। इस जंग के थमने पर अमेरिकी संसद से लेकर नागरिक तक उन पर सवालों की बौछार करेंगे। क्या ट्रम्प इसके लिए तैयार हैं ? ट्रम्प की नीति यही रही कि सर्वोच्च नेता और उसके शीर्ष कमांडरों को मार डालो। थोड़ा इंतजार करो और उसके बाद अपनी पसंद के नेता की ताजपोशी कराकर कठपुतली सरकार को अपने इशारों पर नचाओ। लीबिया, सीरिया और इराक में रणनीति सफल भी रही। वेनेजुएला में वह कुछ हद तक ही कामयाब हो सके लेकिन ईरान के मामले में यह दांव उल्टा पड़ गया। 28 फरवरी को ईरान पर हमला करने में वह थोड़ी जल्दबाजी करके बड़ी गफ़लत कर बैठे। पिछले साल 13 से 24 जून के बीच इज़राइल के हमलों के बाद यह चर्चा तेज हुई कि अमेरिका और इसराइल फिर से हमला करेंगे। ईरान की जवाबी रणनीति पहले से तैयार थी। यह उसकी बीस साल पुरानी डॉक्ट्रिन पर आधारित थी।

- जब सद्दाम हुसैन का पतन हुआ, ईरान देख रहा था। - जब मुअम्मर गद्दाफ़ी मारे गए, ईरान नोट्स ले रहा था। - जब बशर अल असद मॉस्को भाग गए, ईरान एक क्लासरूम में था।

एक शख्स था जो ज्यादातर समय अध्ययन कर रहा था। वो थे आईआरजीसी के जनरल मोहम्मद जाफ़री। उन्होंने देखा कि इराक, अफगानिस्तान और बाल्कन के अत्यधिक केंद्रीकृत शासनों पर किए गए 'डीकैपिटेशन स्ट्राइक' (शीर्ष नेतृत्व पर हमले) तेजी से हुए और कुछ ही हफ़्तों के भीतर युद्ध के मैदान का रुख़ वॉशिंगटन के पक्ष में मुड़ गया। अगर कभी ईरान के साथ ऐसा हुआ – तो हम क्या करेंगे? इस सवाल के जवाब को 'मोजेक डिफेंस डॉक्ट्रिन' (मोजेक रक्षा सिद्धांत) के नाम से जाना जाने लगा। असल में मोज़ेक सिद्धांत क्या है? सैकड़ों छोटे-छोटे, अलग-अलग टुकड़े। हर एक अलग। हर एक जुदा। लेकिन जब वे एक साथ मिलते हैं तो मिलकर एक पूरी तस्वीर बनाते हैं। ईरान ने 'इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स' को 31 राज्यों में स्वायत्त इकाइयों में पुनर्गठित किया। एक तेहरान के लिए समर्पित और अन्य 30 हर प्रांत के साथ जुड़ी हुई। इन्हें बड़े पैमाने पर संघर्ष की स्थिति में कमांड को कई हिस्सों में बांटने के लिए डिज़ाइन किया गया था। प्रांतीय कमांडर केंद्रीय इशारा मिलते ही पलटवार के लिए तैयार रहें। हर इकाई के पास अपनी मिसाइलें हैं। अपने ड्रोन हैं। अपनी खुफिया जानकारी है। अपना कमांड ढांचा है। हर प्रांत एक मोजेक है। सुप्रीम लीडर का फरमान जारी होते ही अपने काम में जुट जाते हैं। तेहरान में मौजूद उनके कमांड सेंटर से उनका संपर्क टूट जाता है, तब भी वे एक एकजुट सैन्य शक्ति के रूप में काम कर सकते हैं। अब यहाँ बात और भी ज्यादा असाधारण हो जाती है। उत्तरी ईरान में मौजूद इकाई को यह नहीं पता होता कि पश्चिमी ईरान में मौजूद इकाई क्या कर रही है। यानी जब एक यूनिट को दूसरे की रणनीति का अंदाजा नहीं तो अमेरिका के इंटेलिजेंस सैटेलाइट्स को क्या खाक पता चलेगा? आप उसे निशाना नहीं बना सकते जिसे आप लोकेट नहीं कर सकते। आप उसे तबाह नहीं कर सकते जिसका कोई केंद्र ही न हो। इसीलिए शीर्ष नेता को खत्म करने की रणनीति यानि सिर ढूंढो। उसे काट दो। शरीर ढह जाएगा। लेकिन यहाँ हालात अलग रहे। सुप्रीम लीडर को मार देने से शासन अपने आप खत्म नहीं हो जाता। मोज़ेक डॉक्ट्रिन को इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि नेतृत्व के खत्म हो जाने के बाद भी सेना काम करती रहे। बिल्कुल 'हाइड्रा' की तरह। अगर आप एक सिर काट देते हैं, तो उसकी जगह जल्दी ही नए सिर उग आते हैं। उन्होंने पहले ही दिन ईरान के सुप्रीम लीडर को मार दिया था। ईरान ने कुछ ही दिनों में उनकी जगह किसी और को नियुक्त कर दिया और हमला जारी रखा। यह इसलिए हो सका क्योंकि अली खेमेनई ने अपनी मौत के एक घंटे पहले अपने फरमान में सभी इकतीस राज्यों को पलटवार के लिए अलर्ट कर दिया था। अब नया फरमान तभी होगा जब नया मजहबी सुप्रीम लीडर इसमें कोई और बदलाव करे। लेकिन यह सबको पता है की नए लीडर यानि मोजतबा खामेनई जख्मीं हैं और उनकी गैर मौजूदगी में संचालित अंतरिम काउंसिल को अली खामेनई के हुक्म को पलटने का अधिकार नहीं। इसलिए सभी इकतीस राज्यों की इकाइयां अमेरिका और इजराइल के अरमानों पर पानी फेर रही हैं। वो भी लगातार।

सही साबित हो रहे हैं अब्बास अराघची

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने 1 मार्च को जो कहा वह सही साबित हो रहा है । अराघची ने कहा था- हमें अपने ठीक पूरब और पश्चिम में अमेरिकी सेना की हार का अध्ययन करने के लिए दो दशक मिले । हमने उसी के अनुसार सबक सीखे । हमारी राजधानी में बमबारी का युद्ध लड़ने की हमारी क्षमता पर कोई असर नहीं पड़ता। विकेंद्रीकृत 'मोजेक डिफेंस' हमें यह तय करने में सक्षम बनाता है कि युद्ध कब — और कैसे खत्म होगा। यह नहीं कि युद्ध खत्म होगा या नहीं। बल्कि कब और कैसे? उन्होंने यह भी कहा था लक्ष्य हमेशा जीतना नहीं होता। कभी-कभी लक्ष्य जीत को इतना महंगा बनाने का होता है कि दूसरा पक्ष यह मान ले कि वह जीत पाने लायक ही नहीं है। 'मोजेक डॉक्ट्रिन' को ठीक इसी मकसद के लिए बनाया गया है। यह रणनीति पूरी तरह से अमेरिका और इज़रायल के संसाधनों को खत्म करने पर निर्भर है। उन्हें आर्थिक रूप से कमज़ोर करना, युद्ध को उनकी अपनी आबादी तक खींच लाना, और दोनों ही पक्षों में इसे बेहद अलोकप्रिय बना देना। यह होता भी दिख रहा है। दुनिया आर्थिक संकट में धकेल दी गई है । खुद ट्रम्प सरकार अपने सीनेट से युद्ध के लिए दो सौ अरब की माँग कर रही है , जिसकी मंजूरी शायद ही मिले । यह मिल भी जाए और जंग जीतने का ऐलान करके पीछे कदम खींच लें तो भी यह खोखली जीत ही समझी जाएगी । अमेरिकी जनता और दुनिया के सामने भी इसे विनाशकारी माना जाएगा । कुल मिलाकर जीत की कीमत इतनी भारी चुकानी पड़ती है कि आप स्वयं सोचने लगते हैं कि काश आपने लड़ाई लड़ी ही न होती।

न्यूज विंडो

खल्लारी मंदिर में रोप-वे का केबल टूटा, आठ घायल

महासमुंद। खल्लारी स्थित प्रसिद्ध खल्लारी मंदिर में आज सुबह रोप-वे का केबल अचानक टूट गया। घटना के समय रोप-वे में श्रद्धालु सवार थे, जिससे अफरा-तफरी मच गई। केबल टूटते ही ट्रॉली झटके के साथ नीचे की ओर आई, जिससे उसमें बैठे लोग घायल हो गए। हादसे में कुल 8 श्रद्धालु घायल हुए हैं, जिनमें कुछ को गंभीर चोटें आई हैं। मौके पर मौजूद लोगों और मंदिर प्रबंधन व पुलिस ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल महासमुंद भेजा गया, जहां उनका इलाज जारी है। एहतियात के तौर पर रोप-वे सेवा को तत्काल बंद कर दिया गया है। प्रारंभिक जांच में तकनीकी खराबी को हादसे का कारण माना जा रहा है, हालांकि विस्तृत जांच के आदेश दे दिए गए हैं। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय अधिकारियों को घायलों के बेहतर उपचार हेतु आवश्यक निर्देश दे दिए है। इस घटना की विस्तृत जांच की जाएगी और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

मंडला में जर्जर पुल से गिरी बाइक, चार युवकों की मौत

मंडला। मंडला-जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर पुलिया से नीचे जा गिरी। इस भीषण दुर्घटना में बाइक सवार चार युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही बीजाडांडी पुलिस ने मौके पर पहुचकर जांच शुरू कर दी है। एक ही बाइक पर सवार चार युवक काफी तेज रफ्तार में जा रहे थे। भैंसवाही ग्राम के पास अचानक चालक का नियंत्रण खो गया और बाइक सीधे पुलिया के नीचे जा गिरी। हादसे में बाइक के परखच्चे उड़ गए और चारों युवकों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

आज का कार्टून

हर दिन बढ़ता संकट... बिजली और पानी पर आई जंग, ट्रम्प ने दिया 48 घंटे का अल्टीमेटम

होर्मुज स्ट्रेट खोलो वरना पॉवर प्लांट तबाह होंगे, ईरान ने दी पानी के सयंत्र उड़ा देने की धमकी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी. एजेंसी

अमेरिका, इजराइल और ईरान की जंग हर बीतते दिन के साथ भयावह होती जा रही है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने ईरान को 48 घंटे के भीतर होर्मुज स्ट्रेट को पूरी तरह खोलने का अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने धमकी दी है कि इसके बाद ईरान के पावर प्लांट पर हमला किया जाएगा। इसके बाद ईरान ने भी गंभीर पलटवार करते हुए अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के 'एनर्जी, आईटी और सबसे अहम डिसैलिनेशन प्लांट्स' (पानी साफ करने के सयंत्र) को निशाना बनाने की धमकी दे दी है। ऐसा हुआ तो अब जंग सीधे पानी की सप्लाई पर आ सकती है।

ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रविवार को लिखा, अगर ईरान 48 घंटे के भीतर होर्मुज को नहीं खोलता है, तो अमेरिका ईरान के पॉवर प्लांट पर हमला करेगा और उन्हें तबाह कर देगा और शुरुआत सबसे बड़े प्लांट से होगी। उधर ईरान के खातम अल-अनबिया सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता इब्राहिम जुल्फाघारी ने कहा कि अगर उनके पॉवर प्लांट पर अटैक हुआ तो गंभीर परिणाम होंगे। हम पानी और आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमला करेंगे । दरअसल, गल्फ देशों की जमीन में तेल भरा हुआ है, लेकिन वह पानी से खाली हैं। ऐसे में वहां समुद्र के खारे पानी को पीने लायक प्लांट लगे हैं। सऊदी अरब अपना करीब 70 पीने का पानी इन्हीं प्लांट्स से लेता है। कुवैत, ओमान और यूएई भी बड़ी मात्रा में इन्हीं पर निर्भर है। मतलब साफ है, अगर इन प्लांट्स पर हमला होता है, भयावह हालात होंगे। विशेषज्ञों के मुताबिक, तेल की सप्लाई रुकने से ज्यादा खतरनाक होगा पानी का संकट, क्योंकि इसके बिना जिंदगी रुक जाएगी।

दावा-ईरान ने अमेरिकी एफ-35 को गिराया

ईरान ने दुनिया के सबसे एडवांस अमेरिकी फाइटर जेट एफ-35 को गिराने का दावा किया है । ईरानी मीडिया प्रेस टीवी के मुताबिक ईरान के आईआरजीसी ने अपने स्वदेशी 'मजीद' एयर डिफेंस सिस्टम के जरिए इसे मार गिराया। अगर यह सच है तो ईरान पहला ऐसा देश होगा जो ऐसा कर पाया है। एफ-35 फाइटर जेट को करीब दो दशकों से अमेरिकी सैन्य ताकत का सबसे बड़ा प्रतीक माना जाता रहा है। ईरान का दावा है कि उसने इस 'अदृश्य' माने जाने वाले जेट की कमजोरी पकड़ ली है। मजीद डिफेंस सिस्टम ने एफ-35 से निकली इंफ्रारेड यानी गर्मी को पकड़कर उसे निशाना बनाया गया।

पूरे क्षेत्र में फैल सकती है दहशत और अराजकता

द गार्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक 1983 में सीआईए ने भी चेतावनी दी थी कि अगर इन प्लांट्स पर हमला हुआ, तो पूरे क्षेत्र में दहशत और अराजकता फैल सकती है। लोग शहर छोड़ने लगेंगे और हालात नियंत्रण से बाहर हो सकते हैं। पर्यावरणीय खतरे भी बढ़ेंगे, क्योंकि इन प्लांट्स से जुड़े केमिकल्स अगर बाहर निकलते हैं तो समुद्री जीवन और इंसानों दोनों के लिए खतरनाक हो सकते हैं। हालांकि अब तक बड़े स्तर पर इन प्लांट्स पर हमले नहीं हुए हैं। कुछ विशेषज्ञ इसे 'रणनीतिक संयम' मानते हैं, क्योंकि पानी पर हमला सीधे मानवता के खिलाफ माना जाएगा और इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारी विरोध हो सकता है।

अमेरिका से एलपीजी लेकर मेंगलुरु पहुंचा शिप

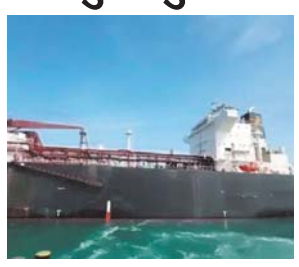

मेंगलुरु. एजेंसी

अमेरिका के टेक्सास से लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस लेकर एक कार्गो शिप आज मेंगलुरु पोर्ट पर पहुंच गया है। पिछले 7 दिनों में करीब चार जहाज गैस-कच्चा तेल लेकर समुद्र के रास्ते भारत पहुंचे। इससे पहले 18 मार्च को क्रूड ऑयल टैंकर 'जग लाडकी' गुजरात में अडाणी पोर्ट्स आया था। वहीं, दो अन्य कैरियर शिवालिक और नंदा देवी भारत आए थे। हालांकि, ये तीनों जहाज होर्मुज के रास्ते से होकर गुजरे थे। फारस की खाड़ी में अभी भी करीब 22 भारतीय जहाज फंसे हुए हैं। सरकार ने कहा है कि वे सभी सुरक्षित हैं।

पंजाब अफसर सुसाइड में पूर्व मंत्री और पिता पर एफआईआर

रंधावा की मां ने कहा - झाड़ू वाले मेरे बेटे को खा गए, पोस्टमॉर्टम से इनकार

अमृतसर/चंडीगढ़, एजेंसी

पंजाब में वेयरहाउस के डिस्ट्रिक्ट मैनेजर गगनदीप सिंह रंधावा के सुसाइड केस में उनका परिवार आप सरकार के पूर्व मंत्री लालजीत भुल्लर और उनके पिता सुखदेव भुल्लर की गिरफ्तारी पर अड़ गया है। रंधावा की सरकारी टीचर पत्नी उपिंदर कौर ने अमृतसर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि जब तक गिरफ्तारी नहीं होती, वह पोस्टमॉर्टम और अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। वहीं रंधावा की मां ने कहा कि झाड़ू वाले मेरे बेटे को खा गए। इन्होंने मेरे घर में ही झाड़ू फेर दिया। इससे पहले शनिवार आधी रात को पुलिस ने अमृतसर के रणजीत एवेन्यू थाने में पूर्व मंत्री भुल्लर, उनके पिता और पीए दिलबाग पर सुसाइड के लिए उकसाने समेत कई धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली। इसमें दिए बयान में पत्नी ने कहा कि भुल्लर ने पति को धमकाया कि गैंगस्टर मेरे पाले हुए हैं। तेरे पूरे परिवार को खत्म करने के लिए एक इशारा ही काफी है।

पिता सुखदेव सिंह भुल्लर के साथ पूर्व मंत्री लालजीत भुल्लर।

नौ करोड़ के प्रतिबंधित चीनी वॉकी-टॉकी जब्त

जम्मू-कश्मीर. एजेंसी

राजस्व खुफिया निदेशालय ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नवी मुंबई के न्हावा शेवा बंदरगाह पर 11,060 प्रतिबंधित वॉकी-टॉकी सेट और सेकंड-हैंड हार्ड डिस्क ड्राइव जब्त किए हैं, जिनकी कुल कीमत 9.25 करोड़ रुपये है।आधिकारिक बयान के अनुसार, मुंबई की दो फर्मों के मालिक, एक पिता-पुत्र की जोड़ी, को सीमा शुल्क अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोप है कि पिता-पुत्र ने बिना अनुमति के ये सामान आयात किया था।

हांगकांग से लंदन जा रही थी फ्लाइट

प्लेन में महिला की मौत, यात्रियों ने शव के साथ बिताए 14 घंटे

विक्टोरिया सिटी. एजेंसी

हांगकांग से लंदन जा रही ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट में आज उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद 60 साल की एक महिला यात्री की मौत हो गई। महिला की मौत के बाद उसके शव को करीब 14 घंटे की बाकी यात्रा के दौरान विमान के पिछले हिस्से में रखा गया। फॉक्स न्यूज के अनुसार, एयरबस ए350-1000 के हांगकांग से उड़ान भरने के कुछ देर बाद ही महिला की मौत हो गई। मौत के बावजूद, पायलटों ने हांगकांग लौटने या रास्ता बदलने के बजाय हीथ्रो एयरपोर्ट तक का सफर जारी रखने का फैसला किया, क्योंकि पैसेंजर की मौत को आम तौर पर मेडिकल इमरजेंसी नहीं माना जाता है। क्रू मेंबर्स ने शुरू में महिला के शव को टॉयलेट में रखने के बारे में सोचा, लेकिन इस विकल्प को सही नहीं माना गया। इसके बजाय, शव को लपेटकर पीछे की गैली में ले जाया गया। लैंडिंग के 45 मिनट बाद यात्रियों को उतरने की अनुमति दी गई।

मेट्रो एंकर मजबूत इरादे से सपने पूरे करने की कहानी, पिछले साल रेलवे सेवा के लिए चुने गए थे अजय

कम थी आँखों की रोशनी... पिता ने ऑटो चलाकर पढ़ाया, बेटा बना आईएएस अफसर

कोझिकोड. एजेंसी

प्रतिभा कभी सुविधाओं की मोहताज नहीं होती, वह अपना रास्ता खुद बना लेती है। असाधारण लोगों ने यह सच करके दिखाया है। ऐसी ही कहानी अजय आर राज की है, जिनकी बचपन में आंखों की रोशनी कम हो गई। लेकिन उनके पिता ने हार नहीं मानी और ऑटो चलाकर हर दिन बेटे को आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

संघर्ष, आंसू और अनगिनत रातों की मेहनत से बेटे ने 2-2 बार UPSC जैसी कठिन परीक्षा क्रैक कर साबित कि सपने सिर्फ आंखों से ही नहीं बल्कि मजबूत इच्छाशक्ति से भी देखे जाते हैं। अजय आर राज केरल के कोझिकोड के थोट्टिलपलम के रहने वाले हैं। एक इंटरव्यू में वह बताते हैं कि उनका परिवार साधारण है। पिता ऑटो चालक हैं और मां गृहिणी हैं। इसलिए बचपन से ही पढ़ाई पर फोकस कर लिया था। पिता ने ऑटो चलाकर न सिर्फ घर के खर्चे पूरे किए बल्कि उनकी पढ़ाई के लिए हरसंभव जरूरतें पूरी कीं। जब वह 8-9 साल के थे तो उनकी आंखों की रोशनी कम हो गई, जिससे जीवन मुश्किल बन गया। फिर भी उन्होंने हालात को अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया और आगे बढ़ने का संकल्प लिया। दिल्ली के सेंट स्टीफंस कॉलेज से पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने अपने सपने नहीं छोड़े। उन्होंने इंग्लिश लिटरेचर में पोस्ट ग्रेजुएशन डिग्री हासिल की। यहीं से उनके सपने को बल मिल गया क्योंकि वह मानते हैं कि मेहनत और लगातार अभ्यास से किसी भी कमी को पीछे छोड़ा जा सकता है।

तैयारी के साथ कॉलेज में पढ़ाया

UPSC की तैयारी और अपने पहले 2-3 प्रयासों में अजय को कई बार असफलता का सामना करना पड़ा। कभी प्रीलिम्स में तो कभी मेंस में रुकना पड़ा, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। आर्थिक चुनौतियों के बीच उन्होंने कॉलेज में पढ़ाना शुरू कर दिया था। वह अपनी तैयारी के साथ-साथ आगे बढ़ते रहे। लगातार प्रयास करते हुए अजय ने एक नहीं बल्कि 2 बार सफलता पाई। उन्होंने अपने पांचवें प्रयास में 2025 के रिजल्ट में 109 वीं रैंक हासिल की। इससे पहले वे 730 वीं रैंक लाकर रेलवे सेवा में भी चुने गए थे लेकिन उन्होंने IAS के लिए दोबारा प्रयास किया । सफलता का श्रेय परिवार और शिक्षकों को दिया। उनकी कहानी सिखाती है कि मजबूत इरादे से हर सपना पूरा हो सकता है।

170 करोड़ रुपए की लागत से दिया जाएगा आधुनिक रूप

रानी कमलापति की तर्ज पर बदलेगा भोपाल स्टेशन यात्रियों को मिलेंगी एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर के यात्रियों के लिए बड़ी राहत और सुविधाओं का नया दौर शुरू होने जा रहा है। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन की तर्ज पर अब भोपाल रेलवे स्टेशन को 170 करोड़ रुपए की लागत से आधुनिक रूप दिया जाएगा, जो 2028 तक तैयार होगा। इसके बाद यात्रियों को रूफटॉप स्टेशन, स्काईवाक के जरिए निशातपुरा रेलवे स्टेशन तक सीधी कनेक्टिविटी, बेहतर प्लेटफॉर्म और हाईटेक सुविधाएं मिलेंगी, जिससे समय और खर्च दोनों की बचत होगी। वहीं बीना जंक्शन रेलवे स्टेशन पर करीब 98 करोड़ रुपए की लागत से री-डेवलपमेंट किया जाएगा। टेंडर प्रक्रिया अंतिम चरण में है और कार्य जल्द शुरू होगा। 2028 तक यहां भी आधुनिक सुविधाएं शुरू होने से यात्रियों को बेहतर और आरामदायक यात्रा अनुभव मिलेगा।

भोपाल जंक्शन के कार्य

भोपाल रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के तहत कई महत्वपूर्ण कार्य किए जाएंगे। इसमें दो आगमन ब्लॉक और दो फुट ओवर ब्रिज का निर्माण शामिल है। 36 मीटर चौड़ा फूड प्लाजा, मल्टी लेवल कार पार्किंग और दो कमर्शियल ब्लॉक बनाए जाएंगे। नया स्टेशन भवन और प्रवेश पोर्च तैयार होगा, साथ ही सर्कुलेटिंग एरिया का विस्तार किया जाएगा। प्लेटफार्म 1 से 6 तक की सतह में सुधार, शौचालय ब्लॉक, वेटिंग हाल और टिकट काउंटर क्षेत्र का उन्नयन किया जाएगा। दिव्यांगजन के लिए सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी तथा एस्केलेटर और लिफ्ट की भी व्यवस्था की जाएगी, जिससे यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी।

बीना जंक्शन के कार्य

बीना रेलवे स्टेशन पर री-डेवलपमेंट के तहत नया स्टेशन भवन और फुट ओवर ब्रिज बनाया जाएगा। यात्रियों की सुविधा के लिए छह लिफ्ट और छह एस्केलेटर लगाए जाएंगे। एयर कानकोर्स का निर्माण किया जाएगा, जिससे आवागमन आसान होगा। प्लेटफार्म का नवीनीकरण, प्रवेश पोर्च का सुधार और सर्कुलेटिंग एरिया का विस्तार किया जाएगा। साथ ही करीब 2800 वर्ग मीटर में पार्किंग सुविधा विकसित की जाएगी, जिससे यात्रियों को बेहतर और आधुनिक सुविधाएं मिल सकेंगी। भोपाल और बीना रेलवे स्टेशनों का बड़े स्तर पर री-डेवलपमेंट किया जा रहा है। इस योजना के तहत आधुनिक सुविधाएं, बेहतर कनेक्टिविटी और यात्री सुविधाओं में सुधार किया जाएगा। प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद यात्रियों को आसान, सुरक्षित और आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलेगा।

फ्री वाई-फाई और मल्टी लेवल पार्किंग भी होगी

भोपाल जंक्शन रेलवे स्टेशन को आधुनिक बनाने के तहत रूफटॉप प्लेटफॉर्म विकसित किया जाएगा, जहां मल्टीकुजीन रेस्टोरेंट और आईपाड होटल खोले जाएंगे। यात्रियों को फ्री वाई-फाई और मल्टी लेवल पार्किंग जैसी सुविधाएं भी मिलेंगी। स्काईवाक के जरिए स्टेशन को निशातपुरा रेलवे स्टेशन से जोड़ा जाएगा, जिससे इंदौर रूट के यात्रियों को सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी और उन्हें सड़क मार्ग की परेशानी से राहत मिलेगी।

भोपाल मंडल ने सफाई अभियान किया शुरू

स्टेशनों और कॉलोनियों में अब मिलेगा शुद्ध पानी

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

वेस्ट सेंट्रल रेलवे के भोपाल रेल मंडल ने जल गुणवत्ता सुधारने के लिए अहम कदम उठाया है। रेलवे परिसर और कालोनियों में स्थित पानी की टंकियों की अब मशीनों से नियमित सफाई कराई जाएगी। इस कार्य पर अगले दो वर्षों में करीब 34.60 लाख खर्च किए जाएंगे।

आधुनिक मशीनों से होगी टंकियों की सफाई : इस योजना के तहत फिल्टर प्लांट, विभिन्न रेलवे स्टेशनों, ईस्ट और वेस्ट कालोनी, भोपाल व निशातपुरा कालोनी में बने ओवरहेड टैंक और भूमिगत जल टंकियों की सफाई आधुनिक मशीनों से की जाएगी। मशीनों की मदद से टंकियों में जमी गाद, कचरा और अन्य अशुद्धियों को हटाया जाएगा, जिससे पानी की गुणवत्ता बेहतर बनी रहेगी।

दूषित पानी और बीमारियों से मिलेगी राहत: रेलवे अधिकारियों के अनुसार नियमित सफाई से पानी के दूषित होने की संभावना कम होगी और कर्मचारियों व रहवासियों को स्वच्छ पानी मिल सकेगा। हबीबगंज स्टेशन क्षेत्र में भी यह व्यवस्था लागू की जाएगी, जहां सभी जल भंडारण टंकियों की सफाई सुनिश्चित की जाएगी।

जल आपूर्ति व्यवस्था होगी और मजबूत: रेलवे का मानना है कि इस पहल से जल जनित बीमारियों के खतरे में कमी आएगी। आधुनिक तकनीक के उपयोग से कम समय में अधिक प्रभावी और सुरक्षित तरीके से सफाई संभव होगी, जिससे जल आपूर्ति व्यवस्था और मजबूत बनेगी।

माता की भक्ति में डूबे श्रद्धालु

भोपाल। चैत्र नवरात्रि के तीसरे दिन मंदिरों में माता रानी की आराधना की गई। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। शीतला माता मंदिर में सुबह से ही भक्तों का तांता लग गया। मंदिर में मां शैलपुत्री की विशेष पूजा की गई और दीप प्रज्वलित किए गए, जो पूरे नौ दिनों तक जलेंगे।

इस बार 3500 करोड़ तक हो सकता है नगर निगम का बजट

बजट में अधोसंरचना विकास के लिए राशि पर फोकस, संपत्ति कर नहीं बढ़ाने के संकेत

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

नगर निगम की बजट बैठक सोमवार से होगी। महापौर के रूप में मालती राय चौथी बार निगम परिषद में बजट पेश करेंगी। बजट की तैयारियों को लेकर निगम मुख्यालय में लगातार अधिकारियों की बैठकें हो रही हैं। इन बैठकों में शहर की आवश्यकता और विकास की परियोजनाओं के हिसाब से प्रस्ताव किए जाने पर चर्चा हो रही है। महापौर भी निगमायुक्त सहित अधिकारियों के साथ कई बैठकें कर चुकी हैं। इस बैठक में महापौर मालती राय वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट पेश करेंगी।

अनुमान लगाया जा रहा है कि इस बार निगम का बजट 3500 करोड़ रुपये तक हो सकता है। बजट

में अधोसंरचना विकास के लिए राशि पर फोकस रहेगा। वहीं महापौर की ओर से अगले वित्तीय वर्ष में संपत्तिकर सहित अन्य करों में परिवर्तन के संकेत नहीं मिले हैं। महानगर के नागरिकों को निगम के आगामी बजट में राहत के संकेत हैं। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए तैयार हो रहे बजट में फिलहाल संपत्तिकर बढ़ाने की कोई योजना शामिल नहीं है। सूत्रों की माने तो अबकी बार बजट 3500 करोड़ रुपए का होगा। वहीं, मंत्री-विधायकों की आपत्ति के बाद प्रॉपर्टी या जल कर बढ़ाने की संभावना कम ही है। पिछली बार कुल 3611 करोड़ रुपए का बजट पेश किया गया था। बजट समीक्षा में सामने आया कि कुछ बजट मदों में हर साल जो राशि रखी जाती है, उसका उपयोग नहीं हो पाता। इस राशि का बेहतर उपयोग हो सके, इसलिए नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने महापौर फंड सहित करीब 12 मदों को बजट से हटाने के निर्देश दिए हैं।

हिंदी भवन में वरिष्ठ विमर्श का आयोजन सम्पन्न

भोपाल। 'जीवन का उत्तरार्द्ध और वास्तविक आनन्द के कारक' विषय पर मध्यप्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति हिंदी भवन में वरिष्ठ विमर्श की गोष्ठी संपन्न हुई इसमें पूर्व मुख्य सचिव के. के. सेठी ने अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि थे, हाईकोर्ट के पूर्व न्यायधीश मनोहर ममतानी। जनसम्पर्क विभाग के पूर्व अधिकारी साहित्यकार लाजपत आहूजा भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन महेश सक्सेना ने किया। आयोजन में जिन वरिष्ठ साहित्यकारों के इस माह जन्मदिन थे, उनका स्वागत हिंदी भवन की ओर से डॉ संजय सक्सेना ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ नागरिकों ने कहा कि आयु के उत्तरार्द्ध में आनन्द के करकों की खोज करते हुए सबसे पहले अच्छे स्वास्थ्य फिर अपने शौक से जुड़ना चाहिए। समाज से जो जीवन भर मिला है उसे लौटाने के विषय में भी वक्ताओं ने विचार रखे। इस अवसर पर बी.के. सांघी, गोकुल सोनी, चंद्रहास शुक्ल,अशोक धमेनियां, डॉ. रामवल्लभ आचार्य, घनश्याम मैथिल 'अमृत', संजय खरे, सुरेश पटवा, बी. एल. गोहिया, राजकुमारी चौकसे, लक्ष्मीकांत जवणे आदि उपस्थित थे।

हाउसिंग बोर्ड के आवास मेले में 80 करोड़ की प्रॉपर्टी बुक

खजूरीकलां प्रोजेक्ट में बुकिंग ज्यादा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पहली बार बोर्ड ने दो दिन का आवास मेला पर्यावास भवन में लगाया था। जिसमें सेफायर पार्क, खजूरीकलां समेत कई प्रोजेक्ट में लोग संपत्ति की तत्काल बुकिंग कराई। हाउसिंग बोर्ड की भोपाल के प्राइम लोकेशन में करीब 80 करोड़ रुपए की प्रॉपर्टी की बुकिंग हुई है।

कटारा हिल्स में सफायर पार्क सिटी प्रोजेक्ट में बोर्ड 34 एकड़ में आवासीय प्लॉट का प्रोजेक्ट लाया है। इस प्रोजेक्ट में बुकिंग चल रही है। इसमें अलग-अलग साइज के 186 प्लॉट रखे गए हैं। 1300 स्क्वेयर फीट से लेकर 7000 स्क्वेयर फीट तक के 5 साइज के प्लॉट हैं। इस प्रोजेक्ट में एसटीपी से लेकर अंडरग्राउंड बिजली के तार तक सभी आधुनिक सुविधायें उपलब्ध होंगी। शनिवार को भी एक

हजार से अधिक लोग मेले में पहुंचे। दो दिन में 1800 लोगों ने विजिट किया। मेले में राजधानी में उपलब्ध हाउसिंग बोर्ड की सभी प्रॉपर्टी की यहां जानकारी दी जा रही है। साथ ही संपत्ति की तत्काल बुकिंग भी की जा रही है। मेले में भोपाल की सभी नई और पुरानी प्रॉपर्टी की जानकारी एक छत के नीचे है। मेले में फ्री साइट विजिट की सुविधा और फ्री में बुकिंग फॉर्म भरने की सुविधा भी है। सभी अपकमिंग प्रोजेक्ट की जानकारी- आवास मेले हाउसिंग बोर्ड अपने सभी आने वाले प्रोजेक्ट की भी जानकारी उपलब्ध करा रहा है। बोर्ड देवकीनगर, बैरसिया रोड, करोंद में 10 एकड़ में प्लॉट का प्रोजेक्ट ला रहा है। वहीं अयोध्या नगर में डुप्लेक्स, ट्रिप्लेक्स, फ्लैट के 5 नये प्रोजेक्ट आने वाले हैं। इस तरह के सभी प्रोजेक्ट की जानकारी मेले में दी गई है। अयोध्या एक्सटेंशन में सुरम्य परिसर और लवकुश हाईट्स फ्लेट्स के प्रोजेक्ट निर्माणाधीन हैं। सुरम्य परिसर में 250 फ्लेट बन रहे हैं और इनमें बुकिंग चालू है। वहीं, लवकुश हाईट्स में भी निर्माण और बुकिंग चल रही है। खजूरीकलां फेज-2 में 147 डुप्लेक्स और ट्रिप्लेक्स घरों में भी बुकिंग चल रही है। इन सभी मकानों की बुकिंग मेले में होगी।

एक्टर शेखर सुमन व संजय मिश्रा देंगे प्रस्तुति

चार दिवसीय फेस्टिवल का शुभारंभ 26 मार्च से होगा

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

रंगा थिएटर समूह की ओर से रवीन्द्र भवन के हंसध्वनि सभागार में चार दिवसीय फेस्टिवल का आयोजन 26 से 29 मार्च तक किया जाएगा। यह जानकारी इंडिमून्स आर्ट फेस्टिवल के संयोजक बिजॉन मंडल ने दी है। इस दौरान फेस्टिवल समिति के बालेंद्र सिंह, मुकुल त्रिपाठी, विक्रांत भट्ट, मनोज जोशी, योगेंद्र सिंह राजपूत और हरिओम तिवारी मुख्य रूप से उपस्थित हुए।

फेस्टिवल में प्रतिदिन शाम 7.30 बजे नाट्य प्रस्तुतियां शुरू होगी। बिजॉन ने बताया कि समारोह के पहले दिन 26 मार्च को नीतिश भारद्वाज द्वारा निर्देशित एवं अभिनीत नाटक चक्रव्यूह का प्रदर्शन होगा। महाभारत के 13वें दिन की कथा पर आधारित यह नाटक केवल युद्ध की कहानी नहीं, बल्कि जीवन के चक्रव्यूह, कर्म और धर्म का दार्शनिक विमर्श है। 27 मार्च को राकेश बेदी के निर्देशन में नाटक मसाज का प्रदर्शन होगा। इसमें मुंबई में अभिनेता बनने के सपने संजोकर आए एक व्यक्ति के संघर्ष, संवेदनशीलता और जीवन की सच्चाइयों को अभिनय के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। 28 मार्च को विजय तेंदुलकर द्वारा लिखित और फिल्म अभिनेता संजय मिश्रा द्वारा अभिनीत नाटक घासीराम कोतवाल का मंचन होगा। वहीं, समारोह के अंतिम दिन 29 मार्च को साहिर लुधियानवी और अमृता प्रीतम की अधूरी प्रेम कहानी पर केन्द्रित काव्यात्मक आधारित नाट्य प्रस्तुति होगी। इसमें शेखर सुमन साहिर की भूमिका और गीतिका त्यागी अमृता प्रीतम के रूप में मंच पर दिखाई देंगे।

दिन के सत्रों में दोपहर 3.30 बजे से रंगमंच, सिनेमा और अन्य कलाओं पर केंद्रित परिचर्चाएं आयोजित होंगी। इनका संयोजन सेंटर स्टेज क्लब-लिटरेटी की सीमा रायजादा द्वारा किया जाएगा। वहीं, शाम 5.30 बजे से 'ओपन स्टेज' के माध्यम से शहर के युवाओं की प्रतिभा का प्रदर्शन होगा। इसमें गीत, संगीत और कविताओं पर केन्द्रित प्रस्तुतिया होंगी। फेस्टिवल में पहली बार अपना स्टेज की विशेष गतिविधि रखी गई है।

मेट्रो एंकर

एम्स में विष विज्ञान कार्यशाला आयोजित, विशेषज्ञों ने कहा

एल्युमिनियम फॉस्फाइड का शरीर पर पड़ता है तेज प्रभाव

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

फॉस्फीन उत्सर्जित करने वाले जहरों एल्युमिनियम फॉस्फाइड और जिंक फॉस्फाइड का शरीर पर काफी तेज प्रभाव पड़ता है। इससे मरीज की मौत हो सकती है। अगर मरीज को बचाना हो, तो समय पर इसका इलाज कराना होगा। यह जानकारी एम्स में आयोजित समेकित विष विज्ञान कार्यशाला में विशेषज्ञों ने दी। इस अवसर पर प्रो. रजनीश जोशी डीन, अकादमिक समेत डॉ अर्नीत अरोड़ा, डॉ. बालकृष्णन एस, डॉ. विष्णु नारायण मिश्रा, डॉ. अतुल एस केचे और डॉ. निरंजन साहू समेत छात्रों, रेजिडेंट्स तथा फैकल्टी ने सक्रिय भागीदारी की भूमिका निभाई। विशेषज्ञों ने जहर के शरीर पर प्रभाव, लक्षण, आपातकालीन उपचार और अस्पताल में प्रबंधन, जहर से जुड़ी कानूनी प्रक्रियाओं, मृत्यु के बाद जांच

और शरीर में होने वाले बदलावों की जानकारी भी दी। डॉ. मेहरा जूनियर रेजिडेंट ने आपातकालीन स्थिति में क्या करना चाहिए, इस पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ऐसे मामलों में देरी नहीं कर तुरंत मरीज को अस्पताल पहुंचाएं। इस कार्यशाला में विशेषज्ञ डॉ. अंसिल, डॉ. बिस्वरूप, डॉ. जय कुमार चौरसिया भी शामिल हुए।

इस मौके पर एम्स के निदेशक माधवानन्द कर ने विष विज्ञान शिक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में ऐसे कार्यशाला को महत्वपूर्ण पहल बताया। कार्यशाला में डॉ. एस. श्रीहरि सीनियर रेजिडेंट, न्याय चिकित्सा एवं विष विज्ञान विभाग ने बताया कि फॉस्फाइड का उपयोग व्यापक रूप से होता है। इससे जुड़े मामलों का कानूनी महत्व भी बहुत अधिक है। समय पर पहचान और तुरंत इलाज से ऐसे मामलों में मरीज की जान बचाई जा सकती है। डॉ. आयशा जूनियर रेजिडेंट ने औषधि विज्ञान विभाग ने जहर का शरीर के अंदर असर और नुकसान के बारे में बताया।

इंदौर में एचवीपी वैक्सीन पर अफवाहों का साया , भ्रम फैलाने वालों पर एक्शन की तैयारी

बांझपन की अफवाह ने रोकी टीकाकरण की रफ्तार, आशा कार्यकर्ताओं से लोग कह रहे- लिखकर गारंटी दो, बच्ची को कुछ नहीं होगा, तभी लगवाएंगे

इंदौर, दोपहर मेट्रो

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए देशभर में एचपीवी वैक्सीन सरकार की तरफ से निशुल्क लगवाई जा रही है। लेकिन लोगों में इसे लेकर भ्रांतियां कम नहीं हो रही हैं। आशा कार्यकर्ता घर-घर जाकर बच्चियों को एचपीवी वैक्सीन लगवाने की समझाइश दे रही हैं। लेकिन कई जगह लोग कह रहे हैं कि पहले लिखकर गारंटी दो कि बच्ची को कुछ नहीं होगा, तभी वैक्सीन लगवाएंगे।

सोशल मीडिया पर फैली अफवाहों के कारण टीकाकरण अभियान की रफ्तार धीमी पड़ गई है। ऐसे में विभाग अब वैक्सीन को लेकर भ्रांतियां फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी में है। ऐसे लोगों की सूची बनाकर पुलिस को सौंपी जाएगी।

स्वास्थ्य विभाग ने शहर में करीब 33 हजार बालिकाओं को वैक्सीन लगाने का लक्ष्य तय किया है, लेकिन अभियान के 19 दिनों में केवल 1229 बालिकाओं को ही टीका लग पाया है। सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए चलाए जा रहे अभियान को लेकर लोगों में डर और भ्रांतियां दोनों हैं। अधिकारियों के मुताबिक वैक्सीनेशन को लेकर इंटरनेट मीडिया पर गलत जानकारी फैल रही है। कुछ वीडियो और पोस्ट के जरिए यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि एचपीवी वैक्सीन लगवाने से भविष्य में बांझपन (इनफर्टिलिटी) हो सकता है। इसी कारण कई माता-पिता अपनी बेटियों को टीका लगवाने से इनकार कर रहे हैं।

विरोध के अलग-अलग कारण

केस एक: महू के एक गांव में आशा कार्यकर्ता जब एक परिवार के घर पहुंची और उनकी किशोरी बेटी को एचपीवी वैक्सीन लगवाने की सलाह दी, तो परिजनों ने साफ मना कर दिया। उन्होंने कहा कि पहले लिखकर दें कि इस वैक्सीन से बच्ची को भविष्य में कोई दिक्कत नहीं होगी। काफी समझाने के बाद भी परिवार तैयार नहीं हुआ।

केस दो: सांवेर क्षेत्र में एक परिवार ने वैक्सीनेशन से इनकार करते हुए कहा कि उन्होंने मोबाइल पर वीडियो देखा है, जिसमें बताया गया है कि इस वैक्सीन से इनफर्टिलिटी हो जाती है। परिवार का कहना था कि वे अपनी बेटी के भविष्य के साथ कोई जोखिम नहीं लेना चाहते। आशा कार्यकर्ता ने उन्हें वैज्ञानिक जानकारी दी, लेकिन वे आश्वस्त नहीं हो सके।

केस तीन: इंदौर शहर के एक इलाके में लोगों ने कोरोना वैक्सीन का उदाहरण देते हुए एचपीवी वैक्सीन पर संदेह जताया। उन्होंने कहा कि कोरोना के बाद हार्ट अटैक के मामले बढ़े हैं, इसलिए अब वे कोई नई वैक्सीन नहीं लगवाना चाहते। स्वास्थ्यकर्मियों ने समझाया कि दोनों वैक्सीन अलग हैं, फिर भी परिवार ने टीका लगवाने से इनकार कर दिया।

जागरूकता के प्रयास

विशेषज्ञों के अनुसार सर्वाइकल कैंसर महिलाओं में होने वाला एक गंभीर रोग है, जो एचपीवी वायरस के संक्रमण से होता है। समय पर वैक्सीन लगवाने से इस बीमारी का खतरा काफी हद तक कम किया जा सकता है। जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. तरुण गुप्ता के मुताबिक एचपीवी वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है और इसे दुनिया के कई देशों में वर्षों से लगाया जा रहा है। इसका बांझपन से कोई संबंध नहीं है। यह वैक्सीन केवल उस वायरस से बचाव करती है, जो आगे चलकर कैंसर का कारण बन सकता है।

राज्यसभा चुनाव की दौड़ से अरुण यादव भी हटे पीछे

बुरहानपुर। मध्यप्रदेश में राज्यसभा चुनाव को लेकर सियासी हलचल शुरू हो गई है। संख्या बल के आधार पर एमपी से 2 सीट बीजेपी के खाते और एक सीट कांग्रेस की पक्की मानी जा रही है। इस बीच बीजेपी-कांग्रेस के नेताओं के बयान से सियासी पारा चढ़ गया है। इसी कड़ी में पूर्व पीसीसी चीफ और पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव ने बड़ा बयान देकर सबको चौंका दिया है। दरअसल वे बुरहानपुर में ईद मिलन समारोह में पहुंचे थे। इसी दौरान मीडिया से चर्चा में कहा कि- राज्यसभा चुनाव में अपनी उम्मीदवारी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा- मैं इस दौड़ में शामिल नहीं हूं, कांग्रेस से उम्मीदवार कौन होगा, यह निर्णय दिल्ली हाईकमान लेगा। एमपी कौन राज्यसभा का उम्मीदवार होगा दिल्ली हाईकमान तय करेगा। बिहार में कांग्रेस विधायकों द्वारा किए गए भीतरघात पर अरुण यादव ने कहा मध्यप्रदेश में कांग्रेस पूरी तरह एकजुट है। यहां कोई मतभेद नहीं है। एक सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार की जीत तय है। ह

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जयपुर में इंटरैक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटीज इन मध्यप्रदेश में उद्योग प्रतिनिधियों और निवेशकों से वन-टू.-वन चर्चा की।

सुशासन एवं विकास को नई गति देगा स्टेट एआई मिशन, सीएम बोले

तकनीक से नागरिक सेवाएं होंगी तेज, पारदर्शी एवं डेटा आधारित

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में सुशासन एवं विकास को नई गति देने और शासन व्यवस्था को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं नागरिक-केंद्रित बनाने के उद्देश्य से शीघ्र ही मध्यप्रदेश स्टेट एआई मिशन प्रारंभ किया जाएगा। यह मिशन सेवाओं के संचालन और आर्थिक अवसरों के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। स्टेट एआई मिशन राज्य के एआई विजन एंड एक्शन फ्रेमवर्क पर आधारित होगा, जिसके माध्यम से व्यवस्था को प्रेडिक्टिव, प्रोएक्टिव एवं डेटा-ड्रिवन बनाया जाएगा। सीएम ने कहा कि एआई तकनीकों का उपयोग मानवीय निगरानी (ह्यूमन-इन-द-लूप) के साथ किया जाएगा, जिससे सुरक्षा, पारदर्शिता एवं नागरिकों का विश्वास सुनिश्चित किया जा सकेगा। एआई मिशन के क्रियान्वयन से नागरिकों, विशेषकर किसानों, ग्रामीण समुदायों, युवाओं एवं वंचित वर्गों को तेज, स्मार्ट और व्यक्तिगत सेवाएँ उपलब्ध होंगी। राज्य सरकार एआई तकनीक को सुलभ एवं किफायती बनाकर समाज के सभी वर्गों तक इसके लाभ पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रेडिक्टिव गवर्नेंस को मिलेगा बढ़ावा- स्टेट एआई मिशन में कृषि, स्वास्थ्य, पोषण एवं आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संभावित जोखिमों की पूर्व पहचान संभव हो सकेगी। सभी एआई प्रणालियों में पारदर्शिता, ऑडिटेबिलिटी और प्राइवेसी संरक्षण सुनिश्चित करते हुए रिस्पॉन्सिबल एआई के सिद्धांतों को अपनाया जाएगा। साथ ही प्रशासनिक कार्यों को अधिक दक्ष बनाने के लिए अधिकारियों को ड्राफ्टिंग, विश्लेषण, डिसीजन सपोर्ट एवं डेटा मैनेजमेंट से संबंधित एआई टूल्स उपलब्ध कराए जाएंगे।

चरणबद्ध तरीके से होगा मिशन का क्रियान्वयन

स्टेट एआई मिशन को चरणबद्ध रूप से लागू किया जाएगा। वर्ष 2026-27 में वर्तमान एआई पहलों का समेकन एवं आधारभूत तैयारी सुदृढ़ की जाएगी। वर्ष 2027-28 में सफल यूज़ केसेस को विभिन्न विभागों में व्यापक स्तर पर लागू किया जाएगा और वर्ष-2028 से एआई को शासन की स्थायी संस्थागत क्षमता के रूप में विकसित किया जाएगा।

नागरिक सेवाओं की पहुंच हुई सुदृढ़

एमपी ई-सेवा एवं संपदा 2.0 जैसे प्लेटफॉर्म से एआई आधारित पात्रता पहचान, फेस रिकग्निशन एवं रियल-टाइम ट्रैकिंग से नागरिक सेवाएँ अधिक सुलभ, पारदर्शी एवं उत्तरदायी बन रही हैं। एआई आधारित गिरदावरी प्रणाली से भूमि एवं फसल संबंधी सेवाओं में सटीकता एवं विश्वसनीयता सुनिश्चित हुई है। कृषि क्षेत्र में एआई आधारित गिरदावरी, सिप्री परियोजना, जिला स्तरीय जीआईएस प्लेटफॉर्म तथा सारा एवं उन्नति एग्रीजीआईएस से करोड़ों भू-खंडों पर फसल मैपिंग एवं उपज आकलन किया जा रहा है, जिससे प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में पारदर्शिता एवं बेहतर निर्णय-निर्माण को बल मिला है।

भाजपा चलाएगी आंबेडकर जन्मोत्सव महाअभियान

13 से 19 अप्रैल तक घर-घर चलेगा संपर्क अभियान, विकास कार्यों का देंगे हिसाब

भोपाल, दोपहर मेट्रो

संविधान निर्माता बाबा साहब डा. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर 13 से 19 अप्रैल तक भाजपा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन, संगोष्ठी, स्वच्छता अभियान सहित विभिन्न कार्यक्रमों का प्रदेश भर में आयोजन किया जाएगा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने पार्टी के अनुसूचित जाति मोर्चा के पदाधिकारी से कहा कि वे प्रदेश भर में भ्रमण कर बूथ स्तर पर मोर्चा संगठन को बुलंदियों तक पहुंचाने का कार्य करें। गांव-गांव, घर-घर संपर्क अभियान चलाकर बताएं कि भाजपा संगठन और सरकार आपके लिए क्या कार्य कर रही है।

आज से ही मोर्चा प्रदेश पदाधिकारी बाबा साहब आंबेडकर की जयंती कार्यक्रमों की तैयारियों में जुट जाएं। भारत को विश्व गुरु बनाने और वर्ष 2047 तक भारत को विकसित व आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथ मजबूत करने के लिए कार्य करें। यह बात खंडेलवाल ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से प्रदेश कार्यालय भोपाल में अनुसूचित जाति मोर्चा की परिचयात्मक बैठक को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि भाजपा संगठन को और मजबूत करने में मोर्चा पदाधिकारी सक्रिय भूमिका निभाएं। बैठक को क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल, मोर्चा प्रभारी मनोरंजन मिश्रा व मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह परमार ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेंद्र बरूआ भी उपस्थित रहे। इससे पहले जामवाल की उपस्थिति में ही खंडेलवाल ने संभाग प्रभारियों, मोर्चा प्रभारी, प्रकोष्ठ प्रभारी एवं मोर्चा के प्रदेश अध्यक्षों की वर्चुअल बैठक कर संगठनात्मक विषयों पर विस्तृत चर्चा की।

कार्यकर्ताओं को हर बूथ जीतने मिला लक्ष्य

क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने कहा कि अनुसूचित जाति मोर्चा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता हर बूथ को जीतने का लक्ष्य लेकर पार्टी संगठन के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाएं। भाजपा संगठन और सरकार द्वारा किए जा रहे कार्यों को जनता तक पहुंचाएं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार अनुसूचित जाति मोर्चा के कल्याण व सर्वांगीण विकास के लिए कई योजनाएं चला रही है। हमें आमजन को भाजपा संगठन और सरकार के कार्यों को बताना है और लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का भी कार्य करना है। मोर्चा पदाधिकारी अपने-अपने समाज में सक्रिय भूमिका निभाएं और आमजन को पार्टी से जोड़ने का कार्य करें। इस अवसर पर मोर्चा प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पुलिस की जुआं एवं सट्टे के नियंत्रण पर प्रभावी कार्यवाही

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेश में जुआं एवं सट्टे जैसी अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में विभिन्न जिलों की पुलिस टीमों ने अलग-अलग दिनों में जुआं एवं सट्टे के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए नगदी, वाहन, मोबाइल फोन सहित लगभग 86 लाख रूपये से अधिक की संपत्ति जप्त की है।

मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल में 60% पद खाली,

187 में से सिर्फ 73 कर्मचारी ही कार्यरत, काम प्रभावित

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल , जो विभिन्न शासकीय विभागों के लिए भर्ती प्रक्रिया संचालित करता है, खुद अपने ही विभाग में कर्मचारियों की भारी कमी से जूझ रहा है। हालात यह हैं कि मंडल में स्वीकृत 187 पदों के मुकाबले सिर्फ 73 कर्मचारी ही कार्यरत हैं, जबकि 114 पद अब भी खाली पड़े हैं। यानी करीब 60 फीसदी पद रिक्त हैं। मंडल का मुख्य कार्य अलग-अलग सरकारी विभागों के लिए भर्ती करना है, लेकिन अपने ही यहां कर्मचारियों की कमी के कारण यह काम प्रभावित हो रहा है। कई अहम पद जैसे अतिरिक्त संचालक, नियंत्रक, संयुक्त संचालक, साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ, प्रोग्रामर, सहायक संचालक, लेखा अधिकारी और अधीक्षक के पद खाली हैं। डिप्टी कंट्रोलर के 5 पदों में से 4 खाली हैं, जबकि जूनियर अकाउंट्स ऑफिसर के 2 पदों में से 1 पद रिक्त है। सहायक ग्रेड-1 के 13 में से 10 पद, सहायक ग्रेड-2 के 28 में से 15 पद और सहायक ग्रेड-3 के 41 में से 23 पद खाली हैं। डाटा एंट्री ऑपरेटर के 5 में से 2 पद भी रिक्त हैं। इसके अलावा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के अधिकांश पद भी खाली पड़े हैं।

अतिरिक्त प्रभार से चल रहा काम

कई महत्वपूर्ण पदों पर अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार देकर काम चलाया जा रहा है। सामान्य प्रशासन विभाग (ब्रष्ट) के अतिरिक्त मुख्य सचिव संजय शुक्ला मंडल के अध्यक्ष का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे हैं, जबकि अजॉय कटेसरिया निदेशक का अतिरिक्त जिम्मा देख रहे हैं। स्टाफ की कमी का असर मंडल की कार्यप्रणाली पर भी पड़ रहा है। पिछले साल मंडल ने 16 परीक्षाएं आयोजित की थीं, जबकि इस साल 22 परीक्षाएं कराने की योजना है।

अटलजी या माधवराव सिंधिया?

ग्वालियर रेलवे स्टेशन के नाम पर सियासी घमासान

सिंधिया और तोमर समर्थकों के बीच खींचतान।

संसद में उठी अटलजी के नाम की मांग।

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

प्रदेश की राजनीति में पॉलिटिकल पावर सेंटर के रूप में ग्वालियर चंबल में नेताओं की गुटबाजी किसी से छिपी नहीं है। सिंधिया बनाम तोमर गुट प्रदेश में सबसे चर्चित है और आए दिन सूबे की राजनीति में चर्चाएं भी रहती हैं। अब ग्वालियर रेलवे स्टेशन का मसला राजनीति का केंद्र बन रहा है, जिसमें विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के करीबी माने जाने वाले सांसद ग्वालियर भारत सिंह कुशवाह ने संसद में ग्वालियर रेलवे स्टेशन का नाम देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर किए जाने का अनुरोध किया है। वे इससे पहले भी यह मांग उठा चुके हैं और सार्वजनिक तौर पर मांग कर चुके हैं।

उधर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की ओर से पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. माधवराव सिंधिया, ज्योतिरादित्य के पिता के नाम पर ग्वालियर रेलवे स्टेशन का नाम हो, ऐसी सीधी मांग तो नहीं उठाई लेकिन सिंधिया समर्थक इसको लेकर मांग करते आ रहे हैं। केंद्रीय मंत्री सिंधिया व विधानसभा अध्यक्ष गुट कार्यक्रमों में भी मंच साझा नहीं करते हैं, हाल ही में प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव की मौजूदगी में लाडली बहना के राज्य स्तरीय सम्मेलन में विधानसभा अध्यक्ष और सांसद ग्वालियर शामिल नहीं हुए। उन्हें बुलाया गया था। इसके अलावा सिंधिया व सांसद के बीच पत्रों की होड़ भी खूब चर्चा में रह चुकी है। बता दें कि ग्वालियर चंबल अंचल में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर यहां की राजनीति के दो धड़े हैं, पार्टी भले ही एक हो लेकिन आपस में एक नहीं हैं। सामाजिक-राजनीतिक आयोजनों में यह स्पष्ट दिखता है।

भारत सिंह कुशवाहा ने उठाया मामला

ग्वालियर सांसद भारत सिंह कुशवाह ने संसद में ग्वालियर रेलवे स्टेशन का नाम पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर रखे जाने की मांग करते हुए सदन में मुद्दा उठाया। सांसद ने रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव से मांग की कि ग्वालियर का भव्य रेलवे स्टेशन 500 करोड़ की लागत से तैयार किया जा रहा है। ग्वालियर की जनता की भावना है कि इसे पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न पं. अटल बिहारी वाजपेयी के नाम से जाना जाए।

कूनो के चीते को भाया राजस्थान

7वीं बार हाड़ौती पहुंचा, अब बारां-कोटा के जंगलों को बना रहा अपना नया घर

श्योपुर, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश श्योपुर जिले में स्थित कूनो नेशनल पार्क से निकलकर एक चीता बार-बार राजस्थान के हाड़ौती अंचल को ठिकाना बना रहा है। आशा का शावक केपी-2 सातवीं बार राजस्थान के बारां और कोटा जिलों के जंगलों में पहुंचा। इसके पहले उसका पीछा करते हुए केपी-3 भी रामगढ़ क्षेत्र पहुंच गया था, हालांकि बाद में वह खुद ही मध्य प्रदेश की सीमा में लौट आया। बता दें कि केपी-2 का मूवमेंट राजस्थान के केलवाड़ा के पास खंडेला के घास मैदानों से शुरू हुआ, जो बाद में बाज-आमली, शाहाबाद और किशनगंज रामगढ़ वन क्षेत्र तक जा पहुंचा। हाल ही में उसे आमल्दा-गेंता के जंगलों में कालीसिंध और चंबल नदी के आसपास देखा गया। रेंजर दीपक शर्मा ने बताया कि चीते पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि हाड़ौती क्षेत्र के बड़े ग्रासलैंड, पर्याप्त शिकार (प्रे-बेस) और कम मानवीय हस्तक्षेप उसे चीतों के लिए अनुकूल बना रहा है।

मेट्रो एंकर

मप्र पुलिस भर्ती में बड़ा बदलाव, इंटरव्यू नियम भी बदले

अब चार नहीं दो चरणों में होगी एसआई और सूबेदार की चयन प्रक्रिया

प्रारंभिक और लिखित परीक्षा को एक किया जाएगा

पीपीटी और इंटरव्यू अब एक ही दिन किए जाएंगे आयोजित

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में पुलिस उप निरीक्षक और सूबेदार भर्ती प्रक्रिया में बड़े बदलाव की तैयारी चल रही है। प्रस्ताव के अनुसार अब अभ्यर्थियों को चार चरणों के बजाय केवल दो चरणों की परीक्षा देनी होगी। इस संबंध में पुलिस मुख्यालय द्वारा प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है, जिसे शासन को भेजा जाएगा।

नए प्रस्ताव के तहत प्रारंभिक परीक्षा और लिखित परीक्षा को मिलाकर एक ही परीक्षा आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा में वस्तुनिष्ठ और विषयनिष्ठ दोनों प्रकार के प्रश्न शामिल होंगे। इसके अलावा शारीरिक दक्षता परीक्षा और साक्षात्कार भी एक साथ आयोजित किए जाएंगे। पीपीटी पास करने वाले अभ्यर्थियों का उसी दिन इंटरव्यू लिया जाएगा, जिससे उन्हें बार-बार आने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

अभ्यर्थियों को होंगे कई फायदे

इस बदलाव से उम्मीदवारों को कई लाभ मिलेंगे। उन्हें अब दो बार परीक्षा देने के बजाय केवल एक बार परीक्षा देनी होगी, जिससे समय और खर्च दोनों की बचत होगी। साथ ही परीक्षा परिणाम भी जल्दी घोषित किए जा सकेंगे। पीपीटी और इंटरव्यू एक ही दिन होने से प्रक्रिया और सरल हो जाएगी।

साक्षात्कार के अंक घटाने का प्रस्ताव- भर्ती प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए साक्षात्कार के अंक 50 से घटाकर 10 करने का प्रस्ताव है। अधिकारियों के अनुसार इससे चयन प्रक्रिया में पक्षपात की संभावना कम होगी और मेरिट अधिक निष्पक्ष तरीके से तैयार हो सकेगी।

पिछले 15 वर्षों में चौथी बार बदलाव

गौरतलब है कि पिछले 15 वर्षों में यह चौथी बार है जब भर्ती नियमों में बदलाव किया जा रहा है। वर्ष 2012 तक केवल एक लिखित परीक्षा होती थी, जबकि 2014 से 2017 के बीच नियमों में बदलाव किए गए। वर्ष 2025 में फिर चार चरणों की प्रक्रिया लागू की गई, जिसके तहत 500 पदों पर भर्ती प्रक्रिया वर्तमान में जारी है। अब अगली भर्ती से पहले नए बदलाव लागू करने की तैयारी है।

जल्द भेजा जाएगा प्रस्ताव

पुलिस मुख्यालय 500 पदों पर भर्ती के लिए शीघ्र ही शासन को प्रस्ताव भेजने की तैयारी में है। प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद नई प्रणाली लागू की जाएगी।

संडे लाइफ

भोपाल, रविवार, 22 मार्च 2026

परफॉर्मेंस एंग्जायटी

मीटिंग, फीडबैक और इवैल्यूएशन

मेंटल हेल्थ पर कंट्रोल रखकर पा सकते हैं बेस्ट अप्रेजल

मार्च -अप्रैल माह हर दफ्तर के लिए काफी महत्वपूर्ण होता है। क्योंकि इस दौरान एम्प्लॉई की पूरे साल की मेहनत और काम का आकलन किया जाता है। इस वजह से एम्प्लॉई के मन में चिंता और डर का एहसास भी बढ़ता है। क्योंकि एक गलत रेटिंग उनके करियर की ग्रोथ को धीमा कर सकती है। यह नेगेटिव फीलिंग व्यक्ति के अंदर परफॉर्मेंस एंग्जायटी, इम्पोस्टर सिंड्रोम और एडजस्टमेंट डिसऑर्डर जैसी मानसिक समस्याएं पैदा कर सकती है।

एम्प्लॉई की प्रोफेशनल ग्रोथ के लिए परफॉर्मेंस अप्रेजल सबसे महत्वपूर्ण होता है। लेकिन यह वक्त मेंटल और ब्रेन हेल्थ के लिए काफी चैलेंजिंग भी होता है। इस वक्त प्रोफेशनल वर्कर्स को एंग्जायटी, स्ट्रेस, डिसऑर्डर्स का सामना करना पड़ता है। आमतौर पर उन्हें इस बात की जानकारी नहीं होती कि वो किस मेंटल कंडीशन से गुजर रहे हैं और यह स्थिति उनकी हेल्थ के साथ अप्रेजल पर नेगेटिव इफेक्ट डाल देती है। लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि कुछ उपायों से मेंटल हेल्थ को कंट्रोल में रखकर बेस्ट अप्रेजल मिल सकता है।

परफॉर्मेंस अप्रेजल का टाइम एम्प्लॉई के मन में अक्सर एंग्जायटी बढ़ा देता है। क्योंकि, यह पीरियड उनके आने वाले साल की प्रोफेशनल ग्रोथ को तय करने वाला साबित होता है। इस वजह से उन्हें डर लगा रहता है कि एक गलत रिव्यू उनके पूरे करियर के ग्राफ के बिगड़ने का कारण बन सकता है और उनकी मेहनत पर पानी फेर सकता है। इसी कारण उनपर अपनी वैल्यू साबित करने का प्रेशर लगातार बना रहता है, जिससे कई मेंटल प्रोब्लम्स हो सकती हैं।

कौन-से टिप्स अपनाने से मिलेगी राहत?

अप्रेजल से जुड़ा तनाव कम करने के लिए आप कई काम कर सकते हैं। जैसे सिर्फ रिव्यू पीरियड के दौरान खुद को प्रूव करने की जगह पूरे साल अपनी बेस्ट परफॉर्मेंस दें। अपनी अचीवमेंट, प्रोजेक्ट कंप्लीशन और कॉन्ट्रिब्यूशन का रेकॉर्ड रखने से एम्प्लॉई इवैल्यूएशन के दौरान ज्यादा कॉन्फिडेंट महसूस करता है। अपने मैनेजर से लगातार कंस्ट्रक्टिव फीडबैक लेना भी बढ़िया तरीका है। ऐन्यूअल रिव्यू का इंतजार करने की जगह एम्प्लॉई को पूरे साल मैनेजर से फीडबैक लेते रहना चाहिए। इससे आप मैनेजमेंट और मैनेजर की एक्सपेक्टेशन को अच्छी तरह समझ पाएंगे और अपनी परफॉर्मेंस में जरूरी बदलाव कर पाएंगे। यह ट्रिक आपके प्रदर्शन को बेहतर बनाने में काफी मदद करेगी।

संस्थान भी करे मदद : ऑर्गेनाइजेशन को भी परफॉर्मेंस से जुड़ा तनाव कम करने में योगदान देना चाहिए। ट्रांसपेरेंट इवैल्यूएशन प्रोसेस, एक्सपेक्टेशन का क्लीयर कम्युनिकेशन और बैलेंस्ड फीडबैक से एम्प्लॉई ज्यादा सिक्योर फील करता है। मैनेजर्स को एक ऐसा माहौल तैयार करना चाहिए, जहां परफॉर्मेंस डिस्कशन सिर्फ रेटिंग की जगह डेवलपमेंट और लर्निंग पर फोकस रहे।

हमने इस लेख की समीक्षा कैसे की..

1. परफॉर्मेंस एंग्जायटी

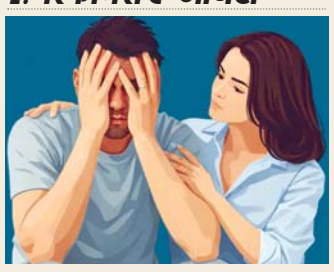

अप्रेजल के दौरान अक्सर देखी जाने वाली मेंटल प्रोब्लम्स में परफॉर्मेंस एंग्जायटी सबसे आम है। एंप्लाई को इस बात की लगातार चिंता लगी रहती है कि उनके काम को पॉजीटिव तरीके से आंका जाएगा या फिर नेगेटिव तरीके से। इस एंग्जायटी की वजह से ओवरथिंकिंग, कॉन्फिडेंस में कमी और गलती होने का डर बना रहता है। कुछ मामलों में लोगों को पूरे साल अच्छा परफॉर्म करने के बाद भी अपनी कैपाबिलिटी पर शक होने लगता है।

2. एडजस्टमेंट डिसऑर्डर

अप्रेजल साइकिल की वजह से लोगों को एडजस्टमेंट डिसऑर्डर का भी सामना करना पड़ सकता है। जिम्मेदारियों व टीम स्ट्रक्चर में बदलाव और खराब परफॉर्मेंस रेटिंग के बाद कुछ लोगों को एडजस्ट करने में मुश्किल होने लगती है। जब व्यक्ति इन बदलावों को भावनात्मक रूप से स्वीकार नहीं कर पाता है तो बेचैन, तनावग्रस्त और हतोत्साहित हो जाता है।

3. इम्पोस्टर सिंड्रोम

इम्पोस्टर सिंड्रोम की साइकोलॉजिकल कंडीशन भी कुछ इसी तरह की होती है। इसके अंदर सफल और बढ़िया काम करने वाले प्रोफेशनल भी अपनी कैपाबिलिटी पर शक करने लगते हैं। अप्रेजल के डिस्कशन में इम्पोस्टर सिंड्रोम का सामना करने वाले लोग अपनी उपलब्धियों के लिए स्किल की जगह भाग्य को श्रेय देने लगते हैं। यहां तक कि पॉजीटिव फीडबैक मिलने के बाद भी उन्हें यही लगता है कि वो इसके काबिल नहीं हैं।

4. निराशा और आत्म-सम्मान में कमी

नेगेटिव और अनएक्सपेक्टेड अप्रेजल की वजह से कुछ लोगों को निराशा और आत्म-सम्मान में कमी का सामना करना पड़ता है। जब एम्प्लॉई अपने आत्म-सम्मान को प्रोफेशनल परफॉर्मेंस से सीधा जोड़ लेता है तो उम्मीद से कमतर रेटिंग उसके अंदर इमोशनल दिक्कतें पैदा कर देती है। इसके गंभीर मामलों में एम्प्लॉई के अंदर डिप्रेशन, लगातार उदासी, मोटिवेशन की कमी या काम में मन ना लगने जैसी भावनाएं देखने को मिलती हैं।

5. स्ट्रेस, नींद ना आना, सेल्फ डाउट

अप्रेजल साइकिल के दौरान एम्प्लॉई के अंदर तनाव, चिड़चिड़ेपन, सोने में कठिनाई और सेल्फ डाउट में बढ़ोतरी देखने को मिलती है। कुछ लोग अपने पुराने काम को बार-बार री-विजिट करने लगते हैं ताकि उन्हें आइडिया लग सके कि उनके मैनेजर या लीडर पर उनके काम का क्या इंप्रेशन पड़ सकता है।

जीवन ज्योति

गति की दिशा गलत होगी तो अधोगति होगी, हम अवनति की ओर जाएंगे

रमेश भाई ओझा
आध्यात्मिक गुरु

दो बातें जीवन में आवश्यक होती हैं। एक तो जीवन में गतिशीलता होनी चाहिए और दूसरा , जीवन की उस गति को सही दिशा मिलनी चाहिए। यदि हमारा जीवन गतिशीलता खो देगा तो जीवन , जीवन नहीं रह जाएगा , बोझ बन जाएगा। जीवन बहती गंगा की भांति होना चाहिए। नदी गतिशील है और उसकी गतिशीलता ही उसका आकर्षण है। चरैवति , चरैवति। जीवन में गति नहीं रही तो फिर हम जीएंगे नहीं , जीवन को ढोएंगे। किसी ने पूछा , क्यों जी रहे हो भैया? बोले , ' मर नहीं रहे हैं इसलिए। ' अब जो मर नहीं रहा है इसलिए जी रहा है , वह क्या खाक जी रहा है! जीवन परमात्मा का दिया हुआ एक गीत है , उसे प्रेम से गुनगुनाएं। तो , पहली चीज- जीवन में गतिशीलता होनी चाहिए। किंतु यदि गति की दिशा गलत होगी तो अधोगति होगी , हम अवनति की ओर जाएंगे।

कल्याण शब्द का अर्थ है- नवप्रभात , जो जीवन में एक नई भोर ला दे। जीवन को खुशियों के उजाले से भर दे। भारतीय चिंतन में धर्म , अर्थ , काम , मोक्ष- मनुष्य जीवन के चार पुरुषार्थ माने गए हैं। लेकिन इन चारों का हेतु क्या है ? धर्म का हेतु मोक्ष है , अर्थ नहीं। धर्माचरण करो तो किसके लिए ? मोक्ष के लिए। अर्थ से धर्म कमाना है , धर्म से अर्थ नहीं कमाना। केवल कामनाओं की पूर्ति के लिए अर्थ मत कमाओ। बढ़िया कपड़े हों , बढ़िया आभूषण हों , बढ़िया वस्त्र हों- इन सबकी जीवन के लिए जरूरत है , इसमें दो राय नहीं। लेकिन जीवन का लक्ष्य यह नहीं है , कि केवल इन्हीं में उलझे रहें। इसलिए सिर्फ कामनाओं की पूर्ति के लिए ही अर्थ नहीं कमाना है। हम दान कर सकें , इसलिए भी अर्थ कमाना है। हम परमार्थ में उसको लगा सकें , इसलिए भी अर्थ कमाना है। वरना अर्थ , अनर्थ का कारण बनेगा। अर्थ परमार्थ की ओर भी ले जाएगा और अर्थ से अनर्थ भी हो सकता है।

इसीलिए धर्म का हेतु मोक्ष है , अर्थ नहीं और अर्थ का हेतु धर्म है , काम नहीं। काम का हेतु इस जीवन को चलायमान रखना है। केवल इंद्रियों को तृप्त करना काम का हेतु नहीं है। काम का हेतु है कि जीवन चलता रहे। मकान , कपड़ा , रोटी- ये सब जीवन की आवश्यकताएं हैं और आवश्यकताओं को जुटाने के लिए पैसा कमाना पड़ता है। इसी तरह जीवन की आवश्यकता है काम , ताकि जीवन चलता रहे , वंश परंपरा चलती रहे। यज्ञ , दान और तप- ये तीन मनुष्य को पवित्र करने वाले साधन हैं। इसीलिए इन तीनों का कभी त्याग नहीं करना चाहिए। मनुष्य को दान अवश्य देना चाहिए। जब तुम गृहस्थाश्रम में जाओ तो अर्थ और काम- अपने इन दो पुरुषार्थों का संपादन करो। प्राचीनकाल में गुरुकुलों में समझाया जाता था कि धर्म के दो रूप हैं- विधि रूप और निषेध रूप। विधि रूप का मतलब है करने योग्य क्या है। निषेध रूप धर्म का मतलब है न करने योग्य क्या है ? कुछ करना धर्म होता है और कुछ न करना धर्म होता है। दान करना धर्म है , लेकिन चोरी करना धर्म नहीं है। इसलिए तुम त्रिवर्ग (धर्म , अर्थ और काम) की प्राप्ति ऐसे करो कि वह जो चतुर वर्ग है- मोक्ष , उसकी प्राप्ति में अड़चन पैदा न हो। गृहस्थाश्रम में धर्म और काम इन दोनों पुरुषार्थ का संपादन करो , किंतु अर्थ कमाओ तो नीति से कमाओ।

सितारों की बात

सप्ताह का राशिफल दिनांक 22 मार्च से 28 मार्च तक

पंडित विष्णु राजौरिया

मेष: राशि के जातक आगामी सप्ताह में अत्यंत व्यस्त रहेंगे व्यस्तता के चलते उनको अनेक स्थानों पर भ्रमण करने का अवसर प्राप्त होगा साथ ही व्यवहार बढ़ाने के संकेत मिल रहे हैं परिश्रम की अधिकता होने से स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है अतः प्रत्येक कार्य सावधानी से करें।

वृषभ: राशि के जातक आगामी सप्ताह में सुखद अनुभूति प्राप्त करेंगे विगत कई दिनों से किए जा रहे प्रयासों में सफलता मिलने के संकेत मिल रहे हैं व्यापार व्यवसाय एवं कृषि संबंधी कार्यों में भूमि भवन संबंधी कार्यों में विशेष सफलता के संकेत मिल रहे हैं इस सफलता से आपके मन में एवं परिजनों में उत्साह का वातावरण बनेगा विभिन्न प्रकार की बढ़ाएं कोर्ट कचहरी से संबंधित मुकदमें इनमें सफलता मिलने के संकेत मिल रहे हैं।

मिथुन: राशि के जातकों को यह सप्ताह अत्यंत अनुकूल रहने के संकेत हैं आर्थिक कार्यों से जुड़े सभी जातक अपने कार्यों में सफलता प्राप्त करेंगे आई के साधन बढ़ने के साथी आपके परिवार की सुख सुविधाओं में वृद्धि होने के संकेत मिल रहे हैं ग्रह गोचर के अनुसार लाभ और व्यवहार में उत्तम संतुलन बनेगा।

कर्क: राशि के जातक आगामी सप्ताह में अनेक स्थानों का भ्रमण करते हुए आनंद का अनुभव करेंगे छोटे शहरों में रहने वाले जातक भी अपने पसंद के स्थान पर भ्रमण करने का लाभ प्राप्त करेंगे साथ ही आपकी आय के साधनों के जो उपाय विगत दिनों से सफल नहीं हो पा रहे थे उनमें भी आपको सफलता मिलेगी।

सिंह: राशि के जातकों को यह सप्ताह मान सम्मान और प्रतिष्ठा दिलाने वाला साबित होगा राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाले जातकों को यह सप्ताह सुखद अनुभूति कर सकता है आपकी पद प्रतिष्ठा बढ़ेगी संगठन में उच्च पद प्रतिष्ठा प्राप्त होने से आपका मन गौर्बान्वित होगा साथी समाज से जोड़ने के विशेष अवसर प्राप्त होगा।

कन्या: राशि के जातकों को यह सप्ताह अत्यंत उत्तम सिद्ध होगा विशेष रूप से आर्थिक कार्यों में लगे हुए जातक बैंक इंश्योरेंस का आर्थिक सलाहकार जैसे कार्यों को करने वाले जातकों को आर्थिक लाभ में वृद्धि होगी मान सम्मान और प्रतिष्ठा मिलेगी साथी घर परिवार के लिए उपयोगी वस्तुओं का संग्रह बढ़ेगा घर परिवार की समस्याओं का निराकरण होगा।

तुला: राशि के जातकों को कुछ सावधानी की आवश्यकता रहेगी विशेष रूप से आर्थिक कार्यों में लेनदेन में उतार-चढ़ाव के संकेत मिल रहे हैं अनावश्यक व्यवहार से बचें अपनी आमदनी के अनुसार व्यय करें अन्यथा वित्तीय संतुलन बिगड़ने से आपको मानसिक और सामाजिक कष्ट का अनुभव हो सकता है अतः पुराने बुजुर्गों की यह कहावत की अपनी चादर से अधिक पर ना पसारे इसका विशेष ध्यान रखना आवश्यक है।

वृश्चिक: राशि के जातकों को यह सप्ताह अत्यंत उत्तम रहेगा आपके व्यापार व्यवसाय में उन्नति रुके हुए कार्यों में सफलता साथी कई दिनों से जिस कार्य से धन प्राप्त होना था उसमें भी सफलता मिलने के संकेत मिल रहे हैं कोर्ट कचहरी संबंधी विवादों में सफलता मिलेगी जिससे आपके व्यापार व्यवसाय एवं कृषि संबंधी कार्यों में गतिशीलता बढ़ेगी आपके जीवन का कोई महत्वपूर्ण कार्य भी इस सप्ताह में संपन्न होने के संकेत हैं।

धनु: राशि के जातक इस सप्ताह में कुछ सुखद अनुभूति प्राप्त कर सकेंगे रुके हुए कार्यों का होना रुके हुए धन का प्राप्त होना किसी मांगलिक कार्य की रूपरेखा तैयार होना अथवा रुका हुआ कार्य संपन्न होना जैसे घटनाक्रम घटेंगे वाणी पर नियंत्रण रखें आपकी वाणी के कारण आपको अनावश्यक विवाद में पढ़ना पढ़ सकता है जो कि आपको नुकसान दे साबित हो सकता है वाणी के कौशल से आप अपने कार्यों को संपन्न करें जिससे आपको उत्तम सफलता प्राप्त होगी।

मकर: राशि के जातकों को इस सप्ताह में विगत दिनों की अपेक्षा कुछ कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है स्वास्थ्य में गिरावट उधर विकार खास तौर से जिनकी अवस्था 60 वर्ष से ऊपर है उनका विशेष सावधानी रखने की आवश्यकता है अपने वाणी कुशल से आप आए हुए कासन को संभाल सकते हैं इसका पूरा उपयोग करें धैर्य आपके जीवन का अभिन्न अंग है।

कुंभ: राशि के जातक अत्यंत भ्रमणशीलता होने के कारण अपने कार्यों को करने में सक्षम रहेंगे अपितु आपके मार्ग में अनेक बढ़ाएं आएगी उन बढ़ाओ के निराकरण का उचित मार्ग बताने वाले भी मिलेंगे अतः अपने भ्रमण के दौरान विशिष्ट जनों से मुलाकात करना ना भूले वरिष्ठ जनों की सलाह से बड़े कार्यों को संपन्न करें।

मीन: राशि के जातक अपने स्वास्थ्य के प्रति कुछ चिंता का अनुभव कर सकते हैं कार्य की अधिकता भाग दौड़ से बचें अपनी नियमित दिनचर्या में विश्राम को भी शामिल करें त्योहार के अवसर पर आवश्यकता से अधिक कार्य होने के कारण आपको थकावट का अनुभव होगा स्वास्थ्य फेफड़े ज्वार सर्दी जुकाम खांसी जैसी समस्याएं आपको परेशान कर सकती हैं आता अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें विशेष रूप से स्त्री वर्ग में यह परेशानी रहेगी।

दिया कबीरा रोय

छुट्टी नहीं सिखाती आपस में वैर रखना...

सुधीर नायक
व्यंग्यकार-ट्रेड यूनियन लीडर

वैसे तो त्यौहार खुशियां लेकर आते हैं पर कई त्यौहार दुखी कर जाते हैं। जो त्यौहार संडे को पड़ जाये वह दुखी कर देता है और यह कोई छोटा मोटा दुख नहीं है। त्यौहार संडे को पड़ जाये तो कर्मचारी के दिल पर क्या गुजरती है इसे कर्मचारी ही जानता है।दूसरा कोई उस दर्द को नहीं समझ सकता। जो त्यौहार छुट्टी खा जाये उसे मनाने का दिल नहीं करता। सबकुछ फीका फीका सा लगता है। जो त्यौहार अलग से छुट्टी दिलाता है उसकी रौनक भी अलग दिखती है। नये साल का सरकारी कैलेंडर हाथ में आते ही पहली नजर इसी लाइन पर जाती है- 'ये त्यौहार रविवार को होने के कारण इनका अलग से अवकाश घोषित नहीं किया गया है।'

वज्रपात सा होता है। दिल में कसक उठती है।हे भगवान ! इस साल तो पूरी पांच छुट्टियां मारी गयीं। पिछले साल केवल तीन का नुकसान हुआ था। इस साल तो सीधे सीधे पांच चलीं गयीं।लोग दुष्ट हैं। उसी समय कोई डरा देता है। यार ये वाला साल बहुत कठिन होने वाला है। ज्योतिषी कह रहे हैं कि बहुत उठा पटक होगी। शनि अपनी राशि बदल रहे हैं। ये देखो, छुट्टियों से शुरुआत हो गयी। कुछ त्यौहार उम्मीद कायम रखते हैं। ईद का अभी पक्का मत मानो। भले संडे को बतायी है पर वो तो चांद पर डिपेंड करता है। संडे को चांद नहीं दिखा तो तारीख बदलनी पड़ेगी। फिर सोमवार की होगी। मन कुछ शांत होता है। अभी गुंजाइश बाकी है।मन में आस्था का भाव आ जाता है। चंद्रदेव भी तो भगवान हैं। जरूर प्रार्थना सुनेंगे। तुम देख लेना, वे किसी कीमत पर संडे को नहीं दिखेंगे। वैसे भी ईद जिस समय पड़ रही है उस समय भोपाल में अमूमन बादल छाये रहते हैं। चांद दिखने के चांस बहुत कम हैं। पिछले साल भी यही हुआ था। दिल्ली के उलेमाओं का बयान आ गया था। तब छुट्टी बदली गयी थी। याद है न। घाटा कुछ कम होने की उम्मीद जगती है। कुछ और आशावादी लोग हैं वे जन्माष्टमी और गोवर्धन पूजा को भी एजेंडे में ले आते हैं। देखना तुम, इन पर भी विवाद होगा। सरकार को छुट्टी बदलनी पड़ेगी। सरकार ने व्यापनी तिथि के हिसाब से छुट्टी कर दी है जबकि होनी चाहिए उदया तिथि के हिसाब से।शास्त्रों में उदया तिथि के हिसाब से ही मनाने का विधान है। छुट्टी की आशा शास्त्रों में भरोसा दृढ़ कर देती है। पक्का,शंकराचार्य जी इस पर जरूर बोलेंगे। पिछले साल भी बोले थे। मन हल्का हो जाता है।अभी सबकुछ समाप्त नहीं हुआ है। एक-दूसरे के धर्म को यदि हमने जाना तो छुट्टियों की वजह से ही जाना। रमेश जी चांद देखने की पूरी प्रक्रिया इतिहास सहित समझा देते हैं और सादिक भाई जन्माष्टमी के बारे में काशी के पंडितों का मत बहुत बारीकी से बताते हैं। छुट्टियां ही हैं जो समरसता बनाये हुए हैं। छुट्टियां न होती तो हम साम्प्रदायिक सदभाव देखने तरस जाते। हिंदू ईद की छुट्टी के लिए लड़ जाता है और मुसलमान गोवर्धन पूजा की छुट्टी पर शुक्रिया अदा करता है और हिन्दू-मुसलमान दोनों मिलकर ईस्टर की छुट्टी की पैरवी करते हैं। छुट्टियां सलामत रहें। छुट्टियां ही देश को बांधे हुए हैं। छुट्टियां न हो तो मैं सोचता हूं कि हम किस चीज़ पर एकमत होंगे। सर्वसम्मति केवल छुट्टी पर ही बनती है। कोई चीज तो है जिसपर हम एक स्वर में बोलते हैं।

न्यू गैजेट

10 साल बाद अमेजन फिर लाएगा स्मार्टफोन, Alexa और AI से बदलेगा यूजर एक्सपीरियंस

अमेजन एक बार फिर स्मार्टफोन बाजार में वापसी की तैयारी कर रहा है। करीब एक दशक पहले Fire Phone की असफलता के बाद कंपनी अब 'Transformer' नाम के नए प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। इस बार कंपनी सिर्फ फोन नहीं, बल्कि AI और पर्सनलाइजेशन पर आधारित एक नया डिजिटल अनुभव देने की कोशिश कर रही है, जो यूजर्स को पूरे दिन अमेजन से जोड़े रखेगा।

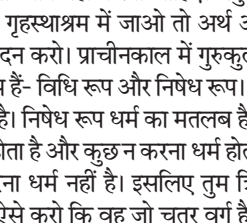

2014 में अमेजन ने Fire Phone लॉन्च किया था, जिसे खुद जेफ बेजोस ने लीड किया था। लेकिन यह फोन बाजार में ज्यादा समय नहीं टिक सका और करीब एक साल के भीतर ही बंद करना पड़ा । उस समय Apple और Samsung के मुकाबले Amazon टिक नहीं पाया। अब कंपनी उसी गलती से सीख लेकर नई रणनीति के साथ वापसी कर रही है, जहां फोकस टेक्नोलॉजी और यूजर जरूरतों पर ज्यादा है।

अमेजन का नया स्मार्टफोन प्रोजेक्ट 'Transformer' कंपनी के डिवाइसेज और सर्विसेज डिवीजन में तैयार हो रहा है। यह फोन सिर्फ कॉलिंग या ऐप्स तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि एलेक्सा के साथ गहराई से जुड़ा होगा। यूजर्स इससे शॉपिंग, वीडियो देखना, म्यूजिक सुनना और यहां तक कि खाना ऑर्डर करना भी आसान तरीके से कर पाएंगे। इसका मकसद यूजर की रोजमर्रा की जिंदगी को एक ही डिवाइस में समेटना है।

AI पर बड़ा दांव: इस नए फोन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सबसे अहम भूमिका निभाएगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, इसमें पारंपरिक ऐप स्टोर की जरूरत कम हो सकती है, क्योंकि AI सीधे यूजर की जरूरत के हिसाब से काम करेगा। Alexa इसमें एक मुख्य फीचर होगा, लेकिन जरूरी नहीं कि वही पूरा ऑपरेटिंग सिस्टम हो। अमेजन इस फोन के जरिए AI को रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाना चाहता है। AI डिवाइस के क्षेत्र में पहले भी कई प्रोजेक्ट असफल रहे हैं, जैसे Humane AI Pin और Rabbit Rv. ऐसे में अमेजन के लिए यह रास्ता आसान नहीं होगा। दूसरी ओर Apple, Google और Meta भी AI आधारित नए डिवाइस पर काम कर रहे हैं। इस कारण प्रतिस्पर्धा काफी तेज हो चुकी है और अमेजन को अपनी अलग पहचान बनानी होगी। अमेजन के लिए यह प्रोजेक्ट सिर्फ एक फोन नहीं, बल्कि उसकी लंबी रणनीति का हिस्सा है। कंपनी चाहती है कि यूजर्स Alexa और AI के जरिए उसके इकोसिस्टम से जुड़े रहें। हालांकि इस प्रोजेक्ट की लॉन्च टाइमलाइन और कीमत अभी साफ नहीं है, लेकिन अगर यह सफल होता है तो अमेजन एक बार फिर टेक मार्केट में मजबूत वापसी कर सकता है।

NH-46 पर स्कॉर्पियो में मिले 1 करोड़, पुलिस ने कर ली 20 लाख की डील, मचा हड़कंप

गुना। दोपहर मेट्रो

सिवनी के बहुचर्चित हवाला कांड की तर्ज पर अब गुना पुलिस भी करोड़ों की 'सेटिंग' के गंभीर आरोपों में घिर गई है। नेशनल हाईवे-46 पर चेकिंग के दौरान एक करोड़ रुपए की नकदी पकड़ने और फिर 20 लाख रुपए की रिश्वत लेकर मामला रफा-दफा करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। डीजीपी के संज्ञान में मामला आने के बाद ग्वालियर रेंज के डीआइजी अमित सांघी ने गुना पहुंचकर धरनावदा थाने में डेरा डाल दिया है। देररात तक चली इस जांच पड़ताल से पुलिस महकमे में हड़कंप मचा हुआ है। ग्वालियर रेंज के आइजी अरविंद सक्सेना ने इस उच्च स्तरीय जांच की पुष्टि की है। पूरा घटनाक्रम धरनावदा थाने की रूठियाई चौकी के पास घटित हुआ। नेशनल हाईवे पर चेकिंग के दौरान पुलिस ने गुजरात पासिंग कार (जीजे-05- आरके-9351) को रोका, जिसमें लगभग एक करोड़ रुपए कैश बरामद हुआ। इतनी बड़ी रकम देख थाने के तीन रसूखदार पुलिसकर्मी (एक थाना प्रभारी, एक एएसआइ और एक हेड कांस्टेबल) सक्रिय हो गए। आरोप है कि व्यापारी के साथ थाने में ही डील हुई और 20 लाख रुपए लेकर बाकी के 80 लाख रुपए के साथ उसे रवाना कर दिया गया।

फाइल फोटो

20 लाख की रकम वापस लौटाई

मामला तब बिगड़ा जब पीड़ित व्यापारी ने गुजरात के एक आइपीएस अधिकारी को अपनी पीड़ा सुनाई। उक्त अधिकारी ने सीधे मध्य प्रदेश डीजीपी को वस्तुस्थिति से अवगत कराया। मुख्यालय की सख्ती देखते ही धरनावदा पुलिस के हाथ-पांव फूल गए और आनन-फानन में वसूली गई 20 लाख की रकम व्यापारी को वापस लौटा दी गई। हालांकि भ्रष्टाचार के सबूत मिटाने की इस कोशिश के बावजूद डीजीपी के आदेश पर आइजी अरविंद सक्सेना ने मामले की कमान डीआइजी अमित सांघी को सौंपी। डीआइजी सांघी फिलहाल धरनावदा थाने में व्यापारी से पूछताछ और संबंधित पुलिसकर्मियों के बयानों का मिलान कर रहे हैं। यदि आरोपों की पुष्टि होती है, तो गुना में भी सिवनी जैसा बड़ा खुलासा तय है। अक्टूबर 2025 की रात पुलिस ने नागपुर जा रही कार से हवाला के करीब 2.96 करोड़ रुपए पकड़े थे। पुलिस ने रिकॉर्ड में सिर्फ 1.45 करोड़ की जब्ती दिखाई। बाकी 1.5 करोड़ रुपए गायब कर दिए। एसआइटी ने जांच की तो तत्कालीन एसडीओपी पूजा पांडे, डीएसपी पंकज मिश्रा (हॉक फोर्स) और अन्य पुलिसकर्मियों को गिरफ्तार किया गया। ग्वालियर रेंज आइजी अरविंद सक्सेना ने बताया कि मामला मेरे संज्ञान में है। व्यापारी से पूछताछ और जांच के लिए डीआइजी को गुना भेजा है। इसके बाद संबंधितों पर कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज विंडो

भाजपा के दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का हुआ समापन

गंजबासौदा। बरेठ रोड स्थित दादजी प्लाजा में भारतीय जनता पार्टी के दो दिवसीय मंडल स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग का भव्य और उत्साहपूर्ण समापन हुआ। यह प्रशिक्षण वर्ग संगठनात्मक मजबूती, वैचारिक स्पष्टता और आगामी राजनीतिक रणनीतियों को धार देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में मंडल स्तर के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत पंजीयन प्रक्रिया के साथ हुई, जिसके बाद वंदे मातरम् के सामूहिक गायन से पूरे आयोजन में राष्ट्रभक्ति का वातावरण निर्मित हो गया। दो दिनों तक चले इस प्रशिक्षण वर्ग में अलग-अलग सत्रों के माध्यम से कार्यकर्ताओं को संगठन के विभिन्न पहलुओं पर गहन प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण वर्ग के प्रथम दिन क्षेत्रीय विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही कार्यकर्ताओं की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने के लिए निरंतर सक्रिय रहने का आह्वान किया। इस प्रशिक्षण वर्ग की अध्यक्षता नगर पालिका अध्यक्ष शशि अनिल यादव ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में शशि अनिल यादव ने कार्यकर्ताओं को संगठन की रीढ़ बताते हुए कहा कि किसी भी राजनीतिक दल की वास्तविक ताकत उसके जमीनी कार्यकर्ता होते हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मंडल और बूथ स्तर पर सक्रियता ही संगठन को मजबूत बनाती है। दूसरे दिन प्रथम सत्र में जिला मीडिया प्रभारी राहुल जैन ने सोशल मीडिया की बढ़ती भूमिका पर जोर देते हुए आई नमो ऐप एवं संगठन एप के प्रभावी उपयोग की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म आज संगठन की ताकत को कई गुना बढ़ा सकते हैं, बशर्ते कार्यकर्ता इनका सही तरीके से उपयोग करें।

छिंदवाड़ा हत्याकांड का खुलासा: 4 आरोपियों को किया गिरफ्तार, 2 फरार

लेन-देन विवाद में मर्डर: ढाबे से बुलाकर गला घोंटा, ब्रिज के पास फेंका शव

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

हिवरखेड़ी निवासी कृष्ण कुमार वर्मा हत्याकांड में पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। जांच में सामने आया कि रुपए के लेन-देन के विवाद में आरोपियों ने सुनियोजित तरीके से हत्या की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने मामले में 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि 2 आरोपी अभी भी फरार हैं।

पुलिस के अनुसार 7 मार्च को आरोपियों ने कृष्ण कुमार वर्मा को सिहोरा स्थित एक ढाबे के पास बुलाया। यहां पहले से मौजूद आरोपियों ने उसे कार में बैठाया और गमछे से गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद शव को चोरगांव ब्रिज के पास ले जाकर फेंक दिया। 8 मार्च को राहगीरों की सूचना पर पुलिस ने शव बरामद किया था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 4 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं 2 आरोपी अभी भी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। फरार आरोपी में कमलेश वर्मा (पूर्व मंडल अध्यक्ष, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष का पति) और विपिन वर्मा (बाड़ीवाड़ा निवासी) शामिल है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल की गई स्कॉर्पियो और एक्सयूवी वाहन जब्त किए हैं। इन्हीं वाहनों में बैठाकर घटना को अंजाम दिया गया था। मुख्य आरोपी अखिलेश वर्मा पर पहले से 6-7 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं, जिससे उसकी आपराधिक पृष्ठभूमि सामने आई है।

खेती और पैसों का विवाद बना हत्या का कारण

जांच में यह भी सामने आया कि कमलेश वर्मा मृतक का खेत ठेके पर लेकर खेती करता था। स्कॉर्पियो की किश्त और अन्य आर्थिक लेन-देन को लेकर विवाद बढ़ता गया, जो अंततः हत्या की वजह बना। घटना के बाद परिजनों, ग्रामीणों और ओबीसी महासभा ने हत्या का मामला दर्ज करने की मांग की थी। शुरुआत में कार्रवाई को लेकर सवाल उठे, लेकिन मामला उच्च अधिकारियों तक पहुंचने के बाद पुलिस ने गंभीरता से जांच कर पूरे घटनाक्रम का खुलासा किया। फिलहाल पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है और जल्द गिरफ्तारी का दावा कर रही है।

सीसीटीवी कैमरे और कॉल डिटेल से खुला राज

जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और मृतक की कॉल डिटेल निकाली। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदिग्धों से पूछताछ की गई, जिसमें पूरी साजिश का खुलासा हुआ। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक और आरोपियों के बीच रुपए का लेन-देन था। बार-बार पैसे मांगने पर विवाद बढ़ गया। इसी के चलते 5 मार्च को मुख्य आरोपी अखिलेश वर्मा ने अपने साथियों शुभम उर्फ शिवा, चंद्रकांत उर्फ चंदू, मनोज विश्वकर्मा, कमलेश वर्मा और विपिन वर्मा के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई।

पुलिसकर्मी आपस में भिड़े, थाने में एसआई-एएसआई में मारपीट, टीआई ने किया बचाव

राजगढ़/ब्यावरा। दोपहर मेट्रो

जिले के भोजपुर थाने में पुलिसकर्मियों के बीच विवाद की खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि यहां थाने में एसआई और एएसआई आपस में भिड़ गए और कहासुनी हो गई, कहासुनी के बाद दोनों के बीच थाने में धक्का-मुक्की हुई और फिर थाना परिसर के मैदान में दोनों गुत्थम-गुत्था हो गए। थाना परिसर में हो रहे शोर शराबा सुनकर थाना प्रभारी बाहर आईं और पुलिसकर्मियों की मदद से गुत्थम-गुत्था हो रहे एसआई और एसआई को एक दूसरे से छुड़ाकर अलग-अलग किया। घटना शनिवार शाम करीब 5 बजे की है, थाना परिसर में हो रही पुलिसकर्मियों के बीच की लड़ाई को देखने के लिए लोगों की भीड़ भी लग गई थी।

घटना गुरुवार शाम 5 बजे की है, सूत्र बताते हैं कि एक दूसरे की बीट में हिस्से-बांटे को लेकर दोनों में यह विवाद हुआ था। हालांकि पूरी वारदात थाने के सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हो गई है। भोजपुर थाने में पदस्थ एसआई विनोद मीना और एएसआई अशोक कटारिया डे- ड्यूटी ऑफिसर की टेबल के पास बैठे थे। तभी दोनों में एक-दूसरे की वीट में दखलअंदाजी व पैसों के हिस्से को लेकर कहासुनी हुई। देखते ही देखते बहस बढ़ने लगी और फिर दोनों एक दूसरे को गालियां देते हुए धक्का-मुक्की करते हुए थाने से बाहर निकलकर मैदान में आ गए। थाना परिसर में स्थित चबूतरे के पास आकर झूमाझटकी करते हुए दोनों एक-दूसरे से गुत्थम-गुत्था हो गए।

थाना परिसर में अचानक लड़ाई-झगड़े की आवाज सुनकर टीआइ संगीता शर्मा तुरंत अपने आवास से निकलकर बाहर आईं और फोर्स की मदद से दोनों को एक दूसरे से छुड़वाकर अलग-अलग किया। टीआई ने तुरंत दोनों पुलिसकर्मियों को समझाईश देकर मामला शांत कराया। थाना परिसर में हो रहे पुलिस कर्मियों के विवाद को देखने के लिए लोगों की भीड़ जमा हो गई। भोजपुर थाना टीआई संगीता शर्मा ने बताया कि छोटी मोटी बहस और कहासुनी हुई थी। दोनों का परिवार यहां रहता नहीं है। बाहर हैं, इसलिए तनाव में थे। अब ऐसे में लड़ने जाएं तो किस से जाएं, इसलिए आपस में ही लड़ लिए। हमने दोनों को समझाइश देकर शांत करा दिया था।

नवरात्र महोत्सव: महामाई मेले में आज आएंगी प्रसिद्ध भजन गायिका स्वास्ति

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

नगर के प्रसिद्ध महामाई मंदिर परिसर में चल रहे भव्य मेले में इन दिनों भक्ति, संस्कृति और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है। प्रतिदिन आयोजित हो रहे धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज प्रसिद्ध भजन गायिका स्वास्ति मेहुल अपनी मधुर वाणी से माता के भजनों की प्रस्तुति देंगी। उनके लोकप्रिय भजनों की प्रस्तुति को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह बना हुआ है। नवरात्रि पर्व प्रारंभ होते ही महामाई मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने लगी है। दूर-दूर से भक्त माता के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं और पूरे श्रद्धा भाव से पूजा-अर्चना कर रहे हैं। मेले के अंतर्गत प्रतिदिन दोपहर के समय आकर्षक रासलीला तथा रात्रि में भव्य रामलीला का मंचन किया जा रहा है, जिसे देखने बड़ी संख्या में लोग उपस्थित हो रहे हैं। नवरात्रि महोत्सव के दौरान प्रतिदिन सुबह 04:00 बजे एवं शाम 08:30 बजे महामाई मैया की आरती की जाती है। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर आरती में सहभागिता करते हैं और धर्म लाभ अर्जित करते हैं। मंदिर परिसर में गूंजते भक्ति गीतों और जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। विशेष रूप से श्री विद्या शतचंडी दुर्गा महायज्ञ का आयोजन निरंतर जारी है, जिसमें श्रद्धालु बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं और यज्ञ में आहुति देकर पुण्य लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

मेट्रो एंकर | नौलखी में सात दिवसीय श्री भक्तमाल कथा का शुभारंभ, 31 हजार पार्थिव शिवलिंग निर्माण

भक्त की भक्ति से साक्षात प्रकट होते हैं भगवान: डॉ. शास्त्री

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

नौलखी आश्रम में चल रहे द्वितीय पाटोत्सव के मौके पर शनिवार से सात दिवसीय श्री भक्तमाल कथा का शुभारंभ अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ हुआ, जहां प्रथम दिवस पर ही ऐसा दिव्य वातावरण निर्मित हुआ कि पूरा परिसर हरि नाम, राम नाम और संकीर्तन की मधुर ध्वनि से गुंजायमान हो उठा। कथा के प्रारंभ में श्रीधाम वृंदावन से पधारे कथा वाचक डॉ अभिषेक कृष्ण शास्त्री ने प्रथम दिवस भक्तमाल के महात्म की चर्चा की।

उन्होंने कहा कि भक्तमाल कोई सामान्य कथा नहीं, बल्कि यह भक्तों के चरित्र, उनकी तपस्या, त्याग और परम भक्ति का ऐसा अमृत है जिसे सुनकर स्वयं भगवान भी प्रसन्न होते हैं। उन्होंने कहा कि बिना भक्ति के भगवान का चरित्र भी अधूरा है, क्योंकि भगवान की महिमा का वास्तविक अनुभव उनके भक्तों के जीवन से ही होता है, इसी संदर्भ में उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि भगवान श्रीराम ने समुद्र पर सेतु का निर्माण किया, परंतु भक्त हनुमान ने उसी सेतु को लांघकर यह सिद्ध कर दिया कि सच्ची भक्ति में वह शक्ति है जो असंभव को भी संभव बना देती है। कथा के दौरान संत वचनों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ अपनी महिमा सुनकर

जितने प्रसन्न नहीं होते, उससे कहीं अधिक अपने भक्तों की भक्ति का गुणगान सुनकर आनंदित होते हैं, यही कारण है कि भक्तमाल की कथा भीड़ या सामान्य स्थान पर नहीं, बल्कि संतों की संगति में, श्रद्धा और विनम्रता के साथ सुनने योग्य मानी गई है। कथा में यह भी भावपूर्ण उल्लेख किया गया कि अयोध्या के कनक भवन में जब भगवान विश्राम करते हैं तो उनके समीप आज भी भक्तमाल रखी जाती है, जिसे स्वयं जानकी जी भगवान को भक्तों के चरित्र का श्रवण करा रही हों, यह प्रसंग सुनकर उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे और कई भक्तों की आँखें नम हो गईं। कथा वाचक ने आगे बताया कि भक्ति का मूल आधार दृढ़ विश्वास है, जिस हृदय में अटूट श्रद्धा और समर्पण होता है वहीं सच्ची भक्ति का प्रादुर्भाव होता है और वही भक्त भगवान के निकटतम हो जाता है। भक्तमाल की परंपरा का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि इस दिव्य ग्रंथ की रचना संत नाभादास जी ने की थी, जिसके लगभग सौ वर्ष पश्चात संत प्रियादास जी ने इसकी टीका कर इसे और अधिक सरल व व्यापक रूप में जन-जन तक पहुँचाया, जिससे यह ग्रंथ भक्ति मार्ग के साधकों के लिए एक अमूल्य मार्गदर्शक बन गया। इस पावन अवसर पर कथा के शुभारंभ से पूर्व व्यास पीठ पूजन यजमान नगेन्द्र ममता उपाध्याय द्वारा विधि-विधान से संपन्न किया गया, वहीं नौलखी आश्रम के पूज्य संत श्रीमहंत राम मनोहर दास जी महाराज तथा विद्वान आचार्य केशव शास्त्री ने भी व्यास पीठ का पूजन कर आयोजन को आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण किया। प्रथम दिवस कथा का प्रभाव इतना गहरा रहा कि उपस्थित सभी श्रोता भक्ति रस में पूर्णतः डूब गए और उनके हृदय में भक्ति का दीप प्रज्वलित हो उठा। प्रातःकाल में आयोजित पार्थिव शिवलिंग निर्माण भी श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है, जहां भक्तजन स्वयं अपने हाथों से शिवलिंग का निर्माण कर पूजन-अर्चन कर रहे हैं और आध्यात्मिक आनंद का अनुभव कर रहे हैं।

पश्चिम मध्य रेल

सामग्री प्रबंधन विभाग

(भंडार आपूर्ति हेतु 'ई'–निविदा सूचना, संख्या ईपीएस/128/2025)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, भारत के राष्ट्रपति की ओर से. ई–खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते हैं। कोई भी हस्तलिखित/डाक प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे।, पूर्ण विवरण/विनिर्देशन के लिए वेबसाइट https://ireps.gov.in. " पर 'ई' निविदा संबंधी जानकारी प्राप्त की सकती है।

क्र.	टेंडर नं.	संक्षिप्त वर्णन	निविदा मात्रा	नियत तारीख
1	81265140	हायर रिब डेप्थ HVN इंसुलेटिंग लाइनर	243932नंबर	06/04/2026
2	38264124	हॉरिजॉन्टल वियर लाइनर फॉर Casnub 22 HS बोगीज	4733नंबर	07/04/2026
3	38251347A	डिस्ट्रीब्यूटर वाल्व कम्पलीट विथाउट कॉमन पाइप	739नंबर	08/04/2026
4	38252552F	SHACKLE लॉक & लॉक पिन विथ स्प्लिट पिन	84558सेट	08/04/2026
5	38252116	ब्रेक गियर पिन विथ वॉशर	80345नंबर	09/04/2026
6	40252502	कार्बन ब्रश फॉर हिताची TM टाइप	11820नंबर	10/04/2026
7	8125WCR TP09	मैन्युफैक्चर एंड सप्लाई ऑफ़ HVN-66 इंसुलेटिंग कट लाइनर at फिश प्लेटेड जॉइंट	480960नंबर	10/04/2026
8	38265006	Knuckle फॉर अपग्रेडेड हाई टेंसिल सेंटर बफर	1200 नंबर	13/04/2026
9	20261850	हाई रीच पैंटोग्राफ फॉर इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव्स	19 नंबर	15/04/2026
10	40262748	माइक्रोप्रोसेसर कंट्रोलर फॉर रूफ माउंटेड एसी पैकेज यूनिट फॉर एलएचबी एसी कोचेस	306नंबर	22/04/2026

50 लाख रूपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए इच्छुक फर्मो को www.ireps.gov.in पर जाने की सलाह दी जाती है। हस्ता.

कृते प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

ब्लैक स्पॉट बने मौत का जाल, एक साल बाद भी नहीं हुआ सुधार

हादसों का सिलसिला जारी जिम्मेदार विभाग बने बेखबर

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

क्षेत्र में बहुत जगह लगातार दुर्घटनाएं होती रहती हैं इन दुर्घटनाओं को रोकने के लिए भोपाल से आई टीम द्वारा निरीक्षण लगभग 1 वर्ष में किया गया, लेकिन उनके द्वारा किसी प्रकार की कोई व्यवस्था इसे रोकने के लिए नहीं की गई। ऐसी जगह में बम्होरी पाँजी-झलौन मार्ग, तेजगढ़ मार्ग पर ,जबलपुर मार्ग पर लगातार हो रहे हादसों को लेकर अब लोक निर्माण विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं। कारण यह है कि वह कहते हैं कि यह मार्ग हमारा नहीं है तो आपका विभाग में होने का क्या मतलब ऐसा सोशल मीडिया के माध्यम से नगरवासी

कहते हैं नाग बाबा, 27 मील, ठाणे पत्थर धनगौर, कँसा, नरगुँवा टेक जैसे चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स पर 1 वर्ष से अधिक समय बीतने के बाद भी कोई ठोस सुधार कार्य नहीं किया गया है, जिससे लोगों में आक्रोश है।

मामले में लोक निर्माण विभाग की प्रभारी एसडीओ की कार्यशैली भी सवालों के घेरे में है। वह महीनों क्षेत्र का दौरा नहीं करतीं और न ही इन गंभीर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए कोई सक्रियता दिखा रही हैं। स्थानीय लोग उत्तम ,घनश्याम, महाराज सिंह का आरोप है कि न तो वह मौके पर निरीक्षण के लिए पहुंचती हैं और न ही विभागीय स्तर पर कोई ठोस पहल करती हैं। ग्रामीणों का कहना है से फोटो के पास संकेतक रेडियम स्पीड ब्रेकर और जो भी दो घटनाओं को रोक सके वह सारे इंतजाम होना चाहिए। एक ओर जहां इन मार्गों पर प्रतिदिन हादसे हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जिम्मेदार अधिकारी स्थिति को गंभीरता से लेने के बजाय उदासीन रवैया अपना रहे हैं। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ऐसे लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए और ब्लैक स्पॉट्स पर जल्द से जल्द आवश्यक सुधार कार्य कराए जाएं, ताकि लगातार हो रहे हादसों पर अंकुश लगाया जा सके। सबसे चिंताजनक बात यह है कि जब इस संबंध में उनका पक्ष जानने के लिए लोक निर्माण विभाग की एसडीओ मनीषा मोगिया संपर्क किया गया तो उन्होंने फोन रिसीव करना भी उचित नहीं समझा। यह पहली बार नहीं है, बल्कि अक्सर ऐसा ही होता है, जिससे विभाग की जवाबदेही पर सवाल उठना लाजिमी है।

न्यूज विंडो

ग्राम सेहरी में जल शक्ति से नव भक्ति कार्यक्रम आयोजित

तेंदूखेड़ा । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 - जल शक्ति से नव भक्ति कार्यक्रम के तहत ग्राम सेहरी झलौन में आयोजित गतिविधियों का सफल समापन हुआ। यह अभियान 19 मार्च 2026 से 27 मार्च 2026 (वर्ष प्रतिपदा से रामनवमी) तक प्रथम चरण में विभिन्न गतिविधियों के साथ चलाया जा रहा है। शनिवार को ग्राम सेहरी में स्थित व्यारमा नदी घाट पर आयोजित स्वच्छता एवं जल संरक्षण कार्यक्रम के दौरान नदी तट की सफाई की गई, जल पूजन और दीप प्रज्वलन कर जल संरक्षण का संदेश आम जनता तक पहुँचाया गया। यह कार्यक्रम मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद, तेंदूखेड़ा के मार्गदर्शन में नवांकुर संस्था एवं महाराणा प्रताप जन कल्याण शिक्षण संघ, सेहरी के कार्यकर्ताओं द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। इस अवसर पर ब्लॉक समन्वयक दीपचंद मालवीय, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सेहरी और अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई और स्वच्छता अभियान में सहयोग किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों को प्रोत्साहित करना था। इस अभियान में ग्राम के नागरिकों और छात्र-छात्राओं ने भी योगदान दिया। इसमें प्रमुख रूप से पुष्पेन्द्र सेन, गोकल प्रसाद खरे, देवेन्द्र कुमार यादव, लोकेंद्र गौंड तथा सीएमसीएलडीपी के छात्र-छात्राएं शामिल रहे।

तेंदूखेड़ा जमा मस्जिद में अदा की ईद उल फितर की नमाज

तेंदूखेड़ा। शनिवार को नगर में ईदुल फितर की नमाज जामा मस्जिद में अदा की गई हर साल की तरह इस साल भी 1 माह रमजान के पाक महीना पूरा होते ही 20 तारीख को चांद नजर आया और चांद को देखते ही मुस्लिम परिवारों में ईद की खुशी चेहरे पर नजर आने लगी इस खुशी के मौके जामा मस्जिद तेंदूखेड़ा में ईदुल फितर की नमाज 9 .30 बजे अदा की गई नमाज हाफिज खालिद रजा द्वारा अदा कराई गई और देश में अमन चैन तरक्की की दुआ मांगी । ईद के मौके पर नगर से लगे झरौली पंजी बगदरी सांगा से भी ईद की नमाज अदा करने लोग जामा मस्जिद पहुंचे नमाज अदा की । ओर सभी ने एक दूसरे से गले लगकर ईद की मुबारकबाद दी और मस्जिद से निकलकर सभी समुदाय के लोगों ने गले लगकर बधाई दी इस मौके पर बड़ी तादात में मुस्लिम समुदाय के लोगों मौजूद रहे।

गणगौर पर्व: महिलाओं और युवतियों ने पूजा कर गाए भजन

तेंदूखेड़ा। नगर एवं क्षेत्र में गणगौर पर्व बड़े श्रद्धा, उत्साह और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं एवं युवतियों ने विधि-विधान से माता गौरी की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि एवं अखंड सौभाग्य की कामना की। गणगौर पूजा का प्रारंभ होली के दूसरे दिन से होकर चैत्र शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि तक निरंतर सोलह दिनों तक चलता है। इस दौरान महिलाएं प्रतिदिन नियमित रूप से पूजा करती हैं। पूजा में विशेष रूप से टेसू के फूलों का रस निकालकर भगवान को अर्पित किया जाता है, जो इस पर्व की पारंपरिक विशेषता मानी जाती है। महिलाएं पूजा स्थल को सजाकर दूब से पूजन करती हैं और गौरी जी की कथा का वाचन करती हैं। पूजन के समय चंदन, अक्षत, धूप, दीप एवं नैवेद्य अर्पित कर विधिपूर्वक माता गौरी का श्रृंगार किया जाता है। इसके साथ ही सुहाग सामग्री अर्पित कर अपने वैवाहिक जीवन की मंगलकामना की जाती है। गौरी पूजन प्रायः दोपहर के समय किया जाता है, जिसके पश्चात महिलाएं एक समय भोजन ग्रहण कर व्रत का पारण करती हैं। इस पूरे आयोजन में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली, जिससे सामाजिक एवं सांस्कृतिक एकता का संदेश भी प्रसारित हुआ। क्षेत्र में इस पर्व ने पारंपरिक संस्कृति को जीवंत बनाए रखते हुए आपसी सद्भाव और उल्लास का वातावरण निर्मित किया।

सागर-दमोह रोड पर चनाटोरिया टोल नाके के पास शनिवार तड़के हुई घटना, पड़ताल जारी

कार में आग लगने से महिला की मौत डॉक्टर व दो अन्य बचे, मामला संदिग्ध

सागर। दोपहर मेट्रो

सागर-दमोह रोड पर चनाटोरिया टोल नाके के पास शनिवार तड़के एक कार में आग लगने से महिला की जलकर मौत हो गई, जबकि उसका डॉक्टर पति व दो अन्य व्यक्ति बच गए। सुबह 4 बजे हुई घटना में सीमा कुर्मी (34) जो कि गढ़ाकोटा के बीएएमएस डॉ. नीलेश कुर्मी की पत्नी थी। परिजन ने यह पूरा घटनाक्रम संदिग्ध बताया है। पूछताछ में डॉ. कुर्मी ने बताया कि अचानक सामने से आई एक कार ने कट मारा तो कार मेनरोड से नीचे उतर गई और उसमें आग लग गई। मेन रोड से करीब 50 फीट दूर कार से आग की लपटें देख पुलिस को सूचना दी गई। मकरोनिया से पहुंची फायर लॉरी से आग बुझी तो पीछे की सीट पर सीमा का शव जली अवस्था में मिला।

पुलिस के अनुसार डॉ. नीलेश कुर्मी अपनी पत्नी सीमा को सीने में दर्द के बाद इलाज के लिए सागर ला रहे थे। रास्ते में उसने ससुराल वालों को फोन करके जानकारी दी और उन्हें मकरोनिया के निजी अस्पताल आने को कहा। डॉक्टर के साथ कार में क्लीनिक पर काम करने वाला रामकृष्ण व उसका एक साथी भी था। जब टोल के पास पहुंचे तो कार सड़क से नीचे उतर गई और उसमें आग लग गई। डॉक्टर ने पुलिस को बताया कि आग इतनी भीषण थी कि हम लोग सीमा को कार से निकाल नहीं पाए। ड्राइवर साइड के दोनों दरवाजे लॉक मिले, जबकि दूसरी तरफ के दरवाजे खुले हुए थे।

एडिशनल एसपी लोकेश सिन्हा का कहना है कि विभिन्न बिंदुओं पर जांच चल रही है। कार में आग लगने का घटनाक्रम संदिग्ध लग रहा है। डॉक्टर व उसके साथ आए दो युवकों से पूछताछ चल रही है। टंकी में सीएनजी भरी थी या नहीं, इसकी भी जांच कराई जा रही है।

मृत महिला के भाई ने लगाए आरोप

मृतका के भाई लोकेश पटेल ने बताया कि डॉक्टर ने सीएनजी किट व पेट्रोल दोनों से चलने वाली नई कार एक महीने पहले खरीदी थी। दो दिन पहले वह ससुराल गया था। उसने ससुराल वालों को बताया कि अभी पेट्रोल से चला रहा हूं। अभी सीएनजी नहीं भरवाई। लोकेश पटेल ने बताया कि गढ़ाकोटा में सीएनजी फिलिंग स्टेशन नहीं है। उसका आरोप है कि जब कार में आग लगी तब वह पेट्रोल से चल रही थी। मेनरोड पर कार खड़ी कर उसमें पीछे तरफ से आग लगाई गई है। इसके बाद धकेलकर उसे सड़क से नीचे उतार दिया। लोकेश ने बहन की हत्या का आरोप लगाते हुए बताया कि उसे घटनास्थल पर माचिस की अधजली तीलीं व ऑयल जैसा पदार्थ दिखा है। बहन को बेहोशी की हालत में जलाकर हत्या की गई है। मेरा जीजा पहले भी बहन को मारने का प्रयास करता रहा है। एफएसएल की टीम ने महिला की साड़ी के टुकड़े, अधजली त्वचा के सैंपल लिए हैं। सानौधा पुलिस पति व उसके साथ गए युवकों से पूछताछ कर रही है। सानौधा थाना प्रभारी भरत सिंह ने बताया कि घटना की जांच करा रहे हैं। मामला संदिग्ध है। ऐसा कैसे हो गया कि एक महिला कार में जल गई और पति व दो लोगों ने उसे बचाया भी नहीं। पीएम व एफएसएल रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शराब दुकानों का आवंटन: 6 चरण के तहत आज ओपन होंगे टेंडर, पांच ग्रुप की 22 दुकानें शामिल

धार। दोपहर मेट्रो

आबकारी विभाग द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए शराब दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया चल रही हैं, एकल समूह के बजाय ग्रुपों में शराब दुकानों को आवंटित करने के कारण लाइसेंसी अधिक संख्या में रुचि दिखा रहे हैं। जिले की 88 दुकानों के लिए 21 एकल समूह बनाए गए थे, प्रथम द्वितीय, तृतीय, चौथे, पांचवे चरणों के बाद अब छंटवे चरण की शुरुआत हो गई है। 05 समूह की 22 कंपोजिट शराब दुकानों के लिए टेंडर आमंत्रित किए गए हैं, 22 मार्च को दोपहर पश्चात ई-टेंडर ओपन किए जाएंगे। इस चरण में गंधवानी, बरमंडल, अमझेरा, राजोद, बगडीफाटा, कानवन, बिडवाल, कौद, पायकुंडा, ढोलाना, बदनावर, काछीबड़ोदा जैसे क्षेत्रों की शराब दुकान शामिल है। मदिरा दुकान समूहों के लिए निर्धारित आरक्षित मूल्य 133 करोड़ रुपए तय किया गया हैं, पूर्व में हुए टेंडर के देखते हुए आबकारी विभाग को चौथे चरण में भी बेहतर राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है। दरअसल नई आबकारी नीति के तहत बडे लाइसेंसियों के एकाधिकार को समाप्त करते हुए शराब दुकानों को छोटे समूहों में विभाजित किया गया है। इसके पीछे विभाग की मंशा नीलामी प्रक्रिया में लाइसेंसियों की प्रतिस्पर्धा अधिक करते हुए राजस्व में बढ़ोतरी करना था। करीब दो साल बाद पुन देशी-विदेशी दुकानों को शामिल करते हुए समूह बनाए गए है। शराब दुकानों के माध्यम से राजस्व जुटाने में धार जिला प्रदेश के टॉप-10 जिलों में शामिल हैं। नई आबकारी नीति बनाने का फायदा चौथे चरण में ही देखने को मिलेगा।

कंटेनर ट्रक और डंपर की जोरदार भिड़ंत से खाई में जा पहुंचा डंपर, चालक घायल

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

शुक्रवार की देर-रात 10:30 बजे तेंदूखेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत पाटन तेंदूखेड़ा मार्ग पर स्थित पुराने बीएसएनएल के टावर के पास एक तेज रफ्तार कंटेनर ट्रक ने रेत से भरे डंपर से भिड़ंत हो गई है। हादसे में कंटेनर ट्रक के सामने परखच्चे उड़ गए। साथ ही चालक घायल हो गया हादसा इतना भीषण था कि रेत से लोड डंपर सड़क छोड़कर खाई में जा पहुंचा। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 और पुलिस मौके पर पहुंची और जांच-पड़ताल शुरू की गई। घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार इस हादसे में कंटेनर ट्रक चालक रामराज पिता कमलेश रावत उम्र 28 वह निवासी

उन्नाव यूपी है जो कि जबलपुर की तरफ से तेन्दूखेड़ा की और आ रहा था जैसे ही कंटेनर ट्रक 27 मील से एक किलोमीटर आगे पुराने बीएसएनएल के टावर के समीप पहुंचा वैसे ही पाटन से रेत लेकर तेन्दूखेड़ा की और आ रहे डंपर से भिड़ंत हो गई। कंटेनर ट्रक की रफ्तार इतनी तेज थी कि रेत से लोड डंपर सड़क छोड़ कर दूर जा पहुंचा। हादसे में कंटेनर के सामने से परखच्चे उड़ गए। साथ ही हादसे के बाद पूरी रात दोनों वाहन छतिग्रस्त हालत में सड़क पर ही पड़े रहे, जिससे अन्य वाहन के चालकों को परेशानियों का सामना करना पड़ा कुछ राहगीरों द्वारा सड़क के आधे हिस्से में खड़े क्षतिग्रस्त कंटेनर ट्रक से हादसे होने का अंदेशा बना हुआ है क्योंकि ट्रक का आधा हिस्सा सड़क पर है जिसके कारण रात में अन्य हादसे हो सकते हैं क्योंकि कंटेनर ट्रक में कोई भी लाइट या आसपास सुरक्षा व्यवस्था नहीं की गई है जिससे अन्य हादसे का डर बना हुआ है।

मेट्रो एंकर नवरात्रि के तृतीय दिवस पर मां चंद्रघंटा की आराधना

मां चंद्रघंटा सिंह पर सवार होकर अपने भक्तों के कष्टों का निवारण कर आशीर्वाद प्रदान करती हैं

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर शनिवार को तीसरे दिन मां चंद्रघंटा की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। प्रातःकाल से ही नगर के देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही। भक्तजन नंगे पांव माता रानी के दरबार पहुंचे और श्रद्धा-भाव से जल अर्पित कर पूजा-अर्चना की। पूरे नगर का वातावरण भक्ति और आस्था से ओतप्रोत नजर आया।

मंदिरों में भजन-कीर्तन, दुर्गा सप्तशती पाठ एवं आरती का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी नागरिकों ने भाग लिया। नगर में विभिन देवी मंदिरो मै श्रद्धालु पूरे उत्साह और श्रद्धा के

साथ मां की भक्ति में लीन दिखाई दिए। नवरात्रि का यह पावन पर्व लोगों में आध्यात्मिक ऊर्जा, सकारात्मकता और सामाजिक एकता का संदेश दे रहा है। इस संबंध में पंडित बलराम शास्त्री छुल्ला वालो ने बताया ने बताया कि मां चंद्रघंटा को साहस, शक्ति और शांति की प्रतीक देवी माना जाता है। उनके मस्तक पर अर्धचंद्र घंटी के आकार में सुशोभित है, जिसके कारण उन्हें चंद्रघंटा नाम प्राप्त हुआ। धार्मिक मान्यता है कि उनकी उपासना से भक्तों के जीवन से नकारात्मकता दूर होती है और सुख-समृद्धि का आगमन होता है।मां चंद्रघंटा सिंह शेर पर सवार होकर अपने भक्तों के कष्टों का निवारण करती हैं और उन्हें भयमुक्त जीवन का आशीर्वाद देती हैं। इस दिन विशेष रूप से ग्रे रंग के वस्त्र धारण करने की परंपरा है, जिसे शुभ माना जाता है। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि सच्चे मन से की गई आराधना से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और जीवन में सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

तोरनोद-कालूखेड़ी में तेंदुए का फिर मूवमेंट, मिले खून के निशान

धार। दोपहर मेट्रो

शहर से सटे ग्राम तोरनोद और कालूखेड़ी में पिछले तीन दिनों से तेंदुए की मौजूदगी ने किसानों की नींद उड़ा दी है। गुरुवार को पुलिस जवान पर हमला करने के बाद, शनिवार को एक बार फिर तेंदुए के पैरों के निशान ( ) और ताजे खून के धब्बे मिले है। वन विभाग की सुस्ती और तेंदुए के खौफ के बीच अब फसल कटाई का काम भी ठप होने की कगार पर है। गुरुवार को गेहूं की कटाई के दौरान हार्वेस्टर के शोर से घबराकर तेंदुआ एक खेत से निकलकर दूसरे खेतों की ओर भागा था । सूचना मिलने पर नौगांव पुलिस और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। घेराबंदी के दौरान तेंदुए ने नौगांव थाने के आरक्षक अनिल बीसी पर अचानक हमला कर दिया, जिससे उनके हाथ में गंभीर चोट आई। हमले के बाद तेंदुआ भाग गया था। दो दिन बीत जाने के बाद भी वन विभाग के हाथ खाली हैं। शनिवार को तोरनोद के किसान सुनील उमरवाल के खेत में तेंदुए के बड़े पदचिह्न देखे गए। इन निशानों के पास ताजे खून के धब्बे भी मिले हैं।

संजू सैमसन की एंट्री से बदले समीकरण

इम्पैक्ट प्लेयर, मेंटर या बड़ा सरप्राइज सीएसके में क्या होगा धोनी का रोल

नई दिल्ली, एजेंसी

थाला, कैप्टन कूल, मास्टरमाइंड, माही... ऐसे तमाम नामों से सुशोभित एमएस धोनी 44 साल की उम्र में एक बार फिर अपना जलवा दिखाते हुए नजर आएंगे। 28 मार्च से इंडियन प्रीमियर लीग का आगाज हो रहा है। धोनी की चेन्नई सुपर किंग्स का पहला मैच 30 मार्च को राजस्थान रॉयल्स से है। महेंद्र सिंह धोनी को लेकर यह अनुमान है, और इसे अनुमान ही माना जाए कि यह उनका आखिरी आईपीएल सीजन हो सकता है। क्योंकि धोनी का दूसरा मतलब सरप्राइज है, ऐसे में यह बड़ी बात नहीं होगी कि वह आने वाले समय में कुछ और सीजन भी खेलते दिख जाएं।

धोनी खेलें और खूब खेलें यही उनका फैनबेस चाहता होगा, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि इस बार जब संजू सैमसन चेन्नई की टीम में आ गए हैं, और वो खुद भी विकेटकीपर हैं तो अब आगे क्या होगा? वहीं इस टीम में व?िकेटकीपर का एक व?िकल्प उर्वी?ल पटेल टीम भी हैं, ऐसे में थाला किस नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे।

धोनी की चेन्नई सुपर किंग्स टीम में क्या भूमिका होगी? क्या वो इम्पैक्ट प्लेयर बनकर खेलेंगे, या वो खिलाड़ी के तौर पर रहेंगे, इसे लेकर सवालों के कई धुंध हैं। सवाल सिर्फ खेलने का नहीं है, बल्कि टीम कॉम्बिनेशन का भी है।

ध्यान देने वाली बात यह है कि चेन्नई की टीम की जो फॉलोइंग है, उसकी एक वजह %ब्रांड धोनी% ही हैं, वो मैदान पर आते हैं उसके बाद जो सैलाब उनके लिए द?िखता है, उसका अलग ही क्रेज है। प?िछले कुछ सीजन में धोनी ने भले ही टॉप ऑर्डर पर आकर ना खेल रहे हों, लेकिन वो जितनी गेंदें भी खेलते हैं, उस दौरान मैच की लाइव स्ट्रीम?िंग में भी एक स्पाइक उछाल देखने को मिलता है।

2023 सीजन के दौरान रवींद्र जडेजा ने एक बयान में कहा था कि जब भी वह ष्टस्य के लिए टॉप ऑर्डर में बल्लेबाजी करने आते हैं, तो फैन्स उनके जल्दी आउट होने की दुआ करते हैं ताकि माही भाई धोनीको बल्लेबाजी करते देख सकें। यह साफ दिखाता है कि धोनी के लिए फैन्स चाहते हैं कि वो ऊपरी क्रम में आए और खेलें।

फैन्स की यह बात कई दिग्गज क्रिकेटर भी कह चुके हैं, हाल में एबी डिविलियर्स ने हाल ही में धोनी की भूमिका को लेकर सवाल खड़ा किया था। डिविलियर्स ने साफ कहा था कि अगर धोनी नीचे बल्लेबाजी कर रहे हैं और कप्तानी भी नहीं कर रहे, तो ऐसा लगता है कि वह गलत वजह से टीम में जगह भर रहे हैं।

एबी ने सुझाव दिया था कि धोनी को ऊपर बल्लेबाजी करनी चाहिए, कम से कम नंबर 6, और कभी-कभी 5 या 4 पर भी। दरअसल, यह वही बात है जो चेन्नई सुपर किंग्स के घरेलू मैदान एमए च?िदम्बरम चेपॉक के फैन्स पिछले एक सीजन से महसूस कर रहे थे, लेकिन खुलकर कह नहीं पा रहे थे, बार-बार मन मसोसकर रह जा रहे थे।

आईपीएल 2025 में धोनी ने 2 बार नौवें नंबर पर बल्लेबाजी की

अगर आंकड़ों की बात करें तो आईपीएल 2025 में धोनी ने 14 मैचों की 13 पारियों में बल्लेबाजी की, इस दौरान वो ज्यादातर निचले क्रम पर ही बल्लेबाजी करने आए। धोनी ने नंबर 5 पर पर एक बार बल्लेबाजी की और 27 रन बनाए। छठे नंबर पर 2 मैचों में 16 रन बनाए। सातवें नंबर पर उन्होंने 4 मैचों में 83 रन बनाए। आठवें नंबर पर धोनी ने 4 मैचों में 39 रन बनाए। हद तो यह रही कि धोनी ने आईपीएल के प?िछले सीजन में 2 बार तो नौवें नंबर पर बल्लेबाजी की। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ वो 28 मार्च को नौवें नंबर पर खेलने उतरे और नाबाद 30 रन बनाए। वहीं 11 अप्रैल को कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ भी वो नौवें नंबर पर खेलने आए और 1 रन बनाकर आउट हो गए। हैरानी की बात तो यह रही उस मुकाबले में धोनी से ऊपर खेलने के लिए रविचंद्रन अश्विन, विजय शंकर जैसे खिलाड़ी आए थे।

आईपीएल 2026

विराट कोहली ने साथी खिलाड़ियों को दिया गुरु मंत्र

किसी भी सत्र का एक मिनट भी बर्बाद न करें

बेंगलुरु, एजेंसी

। आईपीएल 2026 की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। सीजन का पहला मुकाबला पिछले बार की चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के बीच 28 मार्च को खेला जाएगा। दोनों टीमें में एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में आमने-सामने होंगी। खास बात यह है कि टाइटल डिफेंड करने के लिए आरसीबी कैंप में खिलाड़ी जमकर पसीना बहा रहे हैं। इसमें टीम के दिग्गज खिलाड़ी और पूर्व कप्तान विराट कोहली का भी नाम शामिल हैं।

अभ्यास सत्र के दौरान विराट कोहली ने साथी खिलाड़ियों को अच्छे प्रदर्शन के लिए प्रेरित करते देखे जा रहे हैं। उन्होंने कहा है कि बिना समय गंवाए अपनी पूरी क्षमता के साथ खेलने की अपील की। कोहली ने कहा कि टाइटल को डिफेंड करने के लिए हमें काफी बेहतर तैयारी के साथ मैदान पर उतरना पड़ेगा। आरसीबी की तरफ से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अभ्यास सत्र का एक वीडियो साझा किया गया है। इसमें विराट कोहली टीम के बाकी खिलाड़ियों से बातचीत करते हुए दिखाई दिए। कोहली ने कहा, पिछले दो से तीन सीजन में हमने काफी कड़ी मेहनत की है, जिसके बाद हम पिछले सीजन ट्रॉफी जीतने में कामयाब हो सके। अब हमारे लिए चीजें और मुश्किल होने वाली हैं क्योंकि दूसरी टीमें और भी बेहतर तैयारी के साथ मैदान पर उतरेंगी। हम सीजन का आगाज होने से पहले इन दिनों को बर्बाद नहीं कर सकते हैं। इसलिए अब हमें पूरी तरह से तैयार हो जाना चाहिए। हम जिस भी सेशन का हिस्सा हैं, उसका एक भी मिनट बर्बाद ना करें।

लंबे समय तक टीम के कप्तान रहे हैं विराट

विराट कोहली 2008 से ही टीम से जुड़े हुए हैं। लंबे समय तक टीम के कप्तान रहे हैं और टीम के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने वालों में शीर्ष पर हैं। विराट के प्रदर्शन में निरंतरता रही है। आरसीबी ने आईपीएल 2025 का खिताब जीता था। यह टीम का पहला खिताब था। इसमें बतौर बल्लेबाज विराट कोहली की भूमिका बेहद अहम रही थी। विराट ने 15 मैचों में 8 अर्धशतक लगाते हुए 657 रन बनाए थे। कोहली ने अंतरराष्ट्रीय टी20 से संन्यास ले लिया है। ऐसे में उन्हें टी20 फॉर्मेट में देखने का आईपीएल एकमात्र जरिया है। फैंस कोहली से एक बार फिर धमाकेदार प्रदर्शन की उम्मीद करेंगे।

रोचक थी नीलामी-कोच

मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने कहा, नीलामी काफी रोचक थी और हमारी टीम बेहतर हुई है। हमने कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों को लिया है । विराट और रजत की अगुवाई में स्थापित खिलाड़ियों के साथ उन्हें आरसीबी का हिस्सा बनाना रोमांचक होगा। उन्होंने यह भी कहा, इस साल बात अलग होगी क्योंकि अब हम खिताब जीत चुके हैं। आरसीबी के सभी प्रशंसकों के लिये यह गर्व की बात है। लेकिन अब पिछला सत्र बीत गया है और नयी चुनौती सामने है। यह काफी रोमांचक है और हम आईपीएल जीतने आये हैं।

हमारा बैटिंग ऑर्डर इस सीजन में दमदार नजर आ रहा : रहाणे

कोलकाता । आईपीएल 2026 का आगाज 28 मार्च से होने जा रहा है। तीन बार की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान अजिंक्य रहाणे का मानना है कि इस सीजन टीम का बैटिंग ऑर्डर दमदार नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि हर सीजन कुछ उम्मीदें और चुनौतियां लेकर आता है। हेड कोच अभिषेक नायर, सहायक कोच शेन वॉटसन और मेंटोर ड्वेन ब्रावो के साथ मीडिया से बात करते हुए रहाणे ने केकेआर की बैटिंग यूनिट की गहराई पर रोशनी डाली।

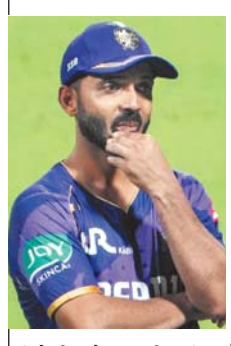

उन्होंने कहा, ÷इस साल हमारे पास जो बैटिंग ग्रुप है, वह कमाल का है। ज्यादातर बल्लेबाज, जिनमें विदेशी बल्लेबाज भी शामिल हैं, वह अच्छी फॉर्म में हैं और उन्होंने वर्ल्ड कप में भी बहुत बढ़िया प्रदर्शन किया था। हम इस सीजन के लिए बहुत उत्साहित हैं और हम देखेंगे कि हमारी टीम का तालमेल कैसा रहता है।÷

कप्तानी के दबाव के बावजूद रहाणे शांत और संयमित रहे। उन्होंने कहा, ÷हर सीजन अपने साथ नई उम्मीदें और चुनौतियां लेकर आता है, चाहे आप खिलाड़ी हों या कप्तान। मेरे लिए सबसे जरूरी बात हमेशा सकारात्मक रहना रही है। मैं पिछले साल से टीम की कप्तानी कर रहा हूं और इस जिम्मेदारी को देने के लिए मैं फ्रेंचाइजी का सचमुच बहुत आभारी हूं।

कोच बनकर आए, 6 महीने में छोड़ दी कुर्सी! गैरी कर्स्टन ने खोली पाक क्रिकेट की पोल

नई दिल्ली, एजेंसी

साउथ अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर और दिग्गज कोच गैरी कर्स्टन ने पाकिस्तान क्रिकेट को लेकर चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। पाकिस्तानी टीम के साथ अपने छोटे कार्यकाल को याद करते हुए उन्होंने बताया कि अंदरूनी हालात इतने खराब थे कि उनके लिए काम करना लगभग नामुमकिन हो गया था। गैरी कर्स्टन के खुलासों ने पाकिस्तानी टीम के अंदर चल रही खींचतान और अव्यवस्था को उजागर कर दिया है। 2024 में पाकिस्तान के व्हाइट-बॉल कोच बने कर्स्टन सिर्फ 6 महीने में ही पद छोड़ने को मजबूर हो गए। उन्होंने बताया कि टीम के कामकाज में बाहरी दखल इतना ज्यादा था कि कोच के लिए अपनी रणनीति पर काम करना लगभग असंभव हो गया था। गैरी कर्स्टन ने टॉकस्पोर्ट से बताया, %मेरे लिए सबसे हैरान करने वाली चीज लगातार होने वाला बाहरी हस्तक्षेप था। इस वजह से कोच के तौर पर टीम के साथ सही तरीके से काम करना बेहद मुश्किल हो जाता है। कर्स्टन ने कहा कि टीम के खराब प्रदर्शन के बाद माहौल और भी तनावपूर्ण हो जाता था। कर्स्टन के मुताबिक, पाकिस्तान क्रिकेट में खराब प्रदर्शन का ठीकरा सबसे पहले कोच के सिर फोड़ा जाता है।

कोच को निशाना बनाना आसान

गैरी कर्स्टन कहते हैं, हर समय बाहर से शोर रहता था और खराब प्रदर्शन पर सख्त कार्रवाई होती थी। ऐसे माहौल में कोच पर सबसे पहले जिम्मेदारी डाल दी जाती है।उन्होंने यह भी माना कि जब टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं करती, तो कोच सबसे आसान निशाना बन जाता है। गैरी कर्स्टन ने तंज कसते हुए कहा, जब टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही होती, तो सबसे आसान रास्ता होता है कोच को हटा देना या उस पर पाबंदियां लगा देना। लेकिन मेरी नजर में ये पूरी तरह गलत है। अगर आपको कोच पर भरोसा ही नहीं है, तो फिर उसे नियुक्त ही क्यों करते हैं। गैरी कर्स्टन के बाद ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज जेसन गिलेस्पी ने भी दिसंबर 2024 में पाकिस्तानी टेस्ट टीम के कोच पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने पूर्व पाकिस्तनी गेंदबाज आकिब जावेद पर आरोप लगाते हुए कहा था कि वह पर्दे के पीछे साजिश कर रहे थे और खुद कोच बनने की कोशिश में थे। लगातार विवाद, कोचों का इस्तीफा और अंदरूनी खींचतान– ये सब संकेत दे रहें हैं कि पाकिस्तान क्रिकेट इस समय गहरे संकट से गुजर रहा है। गैरी कर्स्टन और जेसन गिलेस्पी जैसे बड़े नामों के खुलासों ने इस बात को और पुख्ता कर दिया है कि टीम के भीतर सब कुछ ठीक नहीं चल रहा।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

नीना गुप्ता की सीख से बदला संदीपा धर का नजरिया,

चुंबक के सेट पर मिली खास सलाह बनी प्रेरणा

फिल्म इंडस्ट्री की दुनिया में सफलता का कोई तय फॉर्मूला नहीं होता। यहां कब कौन-सा काम किसी कलाकार की किस्मत बदल दे, यह पहले से कहना मुश्किल होता है, इसलिए कई अनुभवी कलाकार हमेशा नए कलाकारों को एक ही बात सिखाते हैं- लगातार काम करते रहो और अपने हुनर पर भरोसा रखो। इस कड़ी में एक्ट्रेस संदीपा धर ने भी ऐसा ही एक अनुभव साझा किया है, जिसने उनके सोचने का तरीका बदल दिया। यह अनुभव उनकी नई वेब सीरीज चुंबक की शूटिंग से जुड़ा हुआ है, जहां उनकी मुलाकात दिग्गज अभिनेत्री नीना गुप्ता से हुई। मुलाकात के खास पलों को याद करते हुए संदीपा धर ने कहा, नीना गुप्ता मुझसे अक्सर कहती हैं कि उन्होंने स्टूडेंट्स के लिए एक शॉर्ट फिल्म की थी, उस समय शायद किसी ने नहीं सोचा होगा कि वही काम आगे चलकर उनके लिए नए मौके लेकर आएगा। लेकिन उसी काम की वजह से उन्हें बाद में फिल्म बधाई हो जैसी बड़ी और सफल फिल्म का हिस्सा बनने का मौका मिला।

नीना ने लंबे समय तक किया संघर्ष

संदीपा ने माना कि यह बात सुनने में जितनी आसान लगती है, उसे जिंदगी में बनाए रखना उतना ही मुश्किल होता है, लेकिन यह सफलता का मंत्र है, जिसे समझना जरूरी है। नीना गुप्ता ने लंबे समय तक संघर्ष किया और धीरे–धीरे अपनी पहचान बनाई। उन्होंने 1982 में साथ–साथ फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखा। उन्होंने मंडी, जाने भी दो यारों, त्रिकाल और गांधी जैसी फिल्मों में अपने अभिनय की छाप छोड़ी। उन्होंने टीवी की दुनिया में भी नाम कमाया और 90 के दशक में सांस (1999) और सिस्की जैसे टीवी शो के साथ–साथ क्विज शो कमजोर कड़ी कौन की मेजबानी करके घर–घर में मशहूर हो गईं। उनके करियर में चार चांद तब लगे, जब वह बधाई हो (2018) में नजर आईं। इस फिल्म के लिए उन्होंने फिल्मफेयर क्रिटिक्स अवार्ड जीता।

श्रुति हासन का नाम अब तक कई एक्टर्स के साथ जोड़ा गया लेकिन किसी भी रिश्ते को मंजिल नहीं मिली। हाल ही में एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू के दौरान अपनी लव लाइफ को लेकर कई बातें साझा की हैं। क्यों उनके प्यार की गाड़ी चल नहीं रही है?

श्रुति की लव लाइफ क्यों पटरी से उतरी? बोलीं- 'हमारी इंडस्ट्री में सबका यही हाल है'

लव लाइफ के बारे में श्रुति हासन ने क्या कहा?

मैशेबल इंडिया को दिए गए हालिया इंटरव्यू में श्रुति ने कहा, 'मेरी लव लाइफ लॉन्ग डिटेंस होती है। कभी गाने की, कभी फिल्मों की शूटिंग होती है। जब कभी ब्रेक मिलता है तो सामने वाले शख्स को अपनी जिंदगी जीनी होती है। देखिए, हमारी इंडस्ट्री में लगभग सबका यही हाल है।।' श्रुति को तेलुगु अच्छे से बोलने नहीं आती है तो वह इंटरव्यू में कहती हैं कि किसी तेलुगु लड़के को डेट कर लेती हूं, उसके साथ बात करूंगी तो लैंग्वेज सीख जाऊंगी।

खुद को बताया घरेलु लड़की

श्रुति हासन ने आगे इंटरव्यू में बताया कि वह जब वह प्यार में होती हैं तो बिल्कुल घरेलु लड़की बन जाती हैं। वह कहती हैं, 'मैं अपने पार्टनर को पहले खाना खिलाती हूं, उस पर बहुत प्यार लुटाती हूं। अगर उसे बुखार आता है तो उसकी केयर करती हूं। लेकिन यह सब उस शख्स के लिए करती हूं, तो मेरी इन फीलिंग्स को इंपॉर्टेंस देता है।' यह सब बातें बताने के बाद भी श्रुति ने यह नहीं बताया कि वह किसे डेट कर रही हैं।

मेट्रो बाजार

भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर ने फरवरी में दर्ज की 2.3 प्रतिशत की ग्रोथ, सीमेंट और स्टील की बढ़ी मांग

नई दिल्ली । भारत के आठ प्रमुख इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर का संयुक्त इंडेक्स फरवरी महीने में सालाना आधार पर 2.3 प्रतिशत बढ़ा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, फरवरी के दौरान सीमेंट, स्टील, उर्वरक, कोयला और बिजली उत्पादन में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई। स्टील उत्पादन में पिछले साल की तुलना में 7.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि सीमेंट सेक्टर में 9.3 प्रतिशत की मजबूत ग्रोथ देखने को मिली। इसकी वजह बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में सरकार के बढ़ते निवेश को माना जा रहा है, जिससे इन उत्पादों की मांग बढ़ी है। कोयला उत्पादन में भी 2.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जबकि बिजली उत्पादन 0.5 प्रतिशत बढ़ा। उर्वरक उत्पादन में 3.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिसका कारण रबी फसलों की बुवाई में बढ़ोतरी और कृषि क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से किसानों की आय में सुधार बताया गया है। हालांकि, कच्चे तेल , प्राकृतिक गैस और पेट्रोलियम रिफाइनरी उत्पादन में गिरावट देखी गई। कच्चे तेल के उत्पादन में कमी का कारण ओएनजीसी और ऑयल इंडिया के पुराने तेल क्षेत्रों का परिपक्व होना बताया गया है। वहीं, रिफाइनरी उत्पादन बाजार में मांग और उपलब्ध स्टॉक पर निर्भर करता है। जनवरी 2026 के लिए आठ कोर उद्योगों की अंतिम ग्रोथ दर 4.7 प्रतिशत रही थी। वहीं, अप्रैल से फरवरी 2025-26 के दौरान कुल वृद्धि दर पिछले वर्ष की इसी अवधि के मुकाबले 2.9 प्रतिशत रही। आठ कोर उद्योगों के इस इंडेक्स में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, स्टील, सीमेंट और बिजली शामिल हैं।

यूपीआई का विस्तार: भारत-भूटान के बीच जल्द शुरू होगी क्रॉस-बॉर्डर मनी ट्रांसफर सेवा

नई दिल्ली । भारत और भूटान के बीच डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने के लिए एक नई पहल की गई है। जल्द ही दोनों देशों के बीच यूपीआई के जरिए क्रॉस-बॉर्डर मनी ट्रांसफर (विदेश में पैसे भेजने की सुविधा) यानी धन-प्रेषण पहल शुरू की जाएगी। यह सुविधा डाक नेटवर्क के जरिए दी जाएगी, जिसमें यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन (यूपीयू) के पोस्ट ट्रांसफर सिस्टम को भारत के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) से जोड़ा जाएगा। इस पहल से दोनों देशों के लोगों को सस्ता और आसान तरीके से पैसे भेजने और प्राप्त करने की सुविधा मिलेगी, जिससे वित्तीय कनेक्टिविटी भी मजबूत होगी।

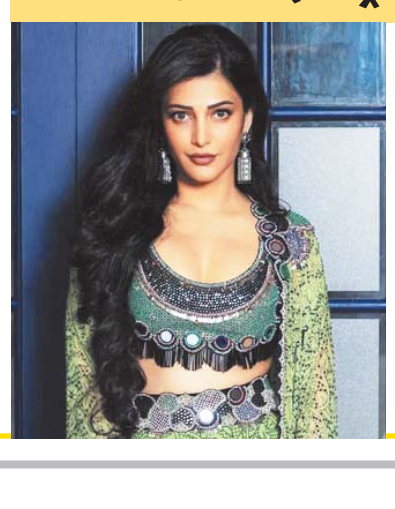

इस संबंध में भारत और भूटान ने डाक सहयोग के लिए एक समझौता (एमओयू) भी किया है, जो इंडिया पोस्ट और भूटान पोस्ट के बीच सहयोग का एक ढांचा तैयार करेगा। इस समझौते के तहत डाक सेवाओं, तकनीकी विकास, लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी, फिलेटली (डाक टिकट संग्रह), क्षमता निर्माण और ज्ञान के आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाया जाएगा। दोनों देशों ने प्रशिक्षण और कौशल विकास पर भी जोर दिया है। इसके तहत भूटान के डाक अधिकारी भारत में प्रशिक्षण कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे, जिनमें रफी अहमद किदवई राष्ट्रीय डाक अकादमी और अन्य प्रशिक्षण केंद्र शामिल हैं। इन कार्यक्रमों में संचालन, प्रबंधन और नई तकनीकों से जुड़ी जानकारी दी जाएगी ताकि डाक सेवाओं को और बेहतर बनाया जा सके। इसके अलावा, भारत और भूटान ने तकनीकी क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति जताई है।

यहां कचरा ही करेंसी है!

गार्बेज सिटी में अपना भविष्य ढूंढते हजारों हाथों की कहानी

काहिरा, एजेंसी

दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है मिस्र। इस देश की राजधानी काहिरा की चकाचौंध से दूर, मुकट्टम पहाड़ियों की तलहटी में बसा एक ऐसा शहर है जिसे दुनिया गारबेज सिटी कहती है। इसका आधिकारिक नाम मनशियत नासिर है। यहां घर की छतें, गलियां और कमरों के बाहर का हिस्सा फर्नीचर से नहीं, बल्कि प्लास्टिक की बोतलों, टिन के डिब्बों और कागजों के ढेर से भरा होता है। लेकिन, यहां की लाइफस्टाइल को समझने के लिए आपको अपनी आंखों से गंदगी का चश्मा हटाकर मेहनत और हुनर का चश्मा पहनना होगा। अगर आप यहां पहली बार आएंगे, तो आपको लगेगा कि किसी विशाल डंपिंग यार्ड में आ गए हैं, लेकिन हकीकत में यह दुनिया का सबसे बड़ा और सबसे कुशल रीसाइक्लिंग हब है। यहां रहने वाले लगभग 2.5 लाख लोगों में 70 हजार लोग कचरे से जुड़े काम में लगे हुए हैं। इन्हें जबालिन कहा जाता है, जिसका अर्थ है कचरा उठाने वाले। इनकी सुबह मशीनी अलार्म से नहीं, बल्कि काहिरा से कचरा भरकर आने वाले ट्रकों की आवाज से होती है। यहां की जीवनशैली की बात करें तो यहां का हर घर एक छोटी फैक्ट्री है। जिसे हम कूड़ा समझकर फेंक देते हैं, ये लोग उसे करेंसी में बदलकर फैक्ट्रियों को बेचते हैं।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

मोटर व्हीकल एक्ट मुआवजे से बीमा की रकम नहीं घटाई जा सकती

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि एंप्लायर (नियोक्ता) द्वारा प्रदान की गई ग्रुप बीमा योजनाओं या अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभों के तहत प्राप्त राशि को मोटर व्हीकल ऐक्ट के तहत दिए जाने वाले मुआवजे से घटाया नहीं जा सकता। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस पंकज मित्तल की अगुवाई वाली बेंच ने 17 मार्च को केरल हाई कोर्ट और कर्नाटक हाई कोर्ट के फैसलों के खिलाफ दायर अपीलों को खारिज कर दिया। इन उच्च न्यायालयों ने यह माना था कि पीड़ित की मौत के बाद दावेदारों को प्राप्त समूह बीमा लाभ को मोटर वाहन अधिनियम के तहत दिए गए मुआवजे से नहीं घटाया जा सकता है। हाई कोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखते हुए व्यवस्था दी है कि मोटर व्हीकल ऐक्ट के तहत मिलने वाले मुआवजे से एंप्लायर द्वारा प्रदान की गई ग्रुप इंश्योरेंस और अन्य लाभों को नहीं घटाया जा सकता है। हाई कोर्ट के फैसले की पुष्टि करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा, कि सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से प्राप्त लाभ आर्थिक लाभ की श्रेणी में नहीं आते, इसलिए इन्हें मुआवजे से घटाया नहीं जा सकता। अपीलकर्ताओं के इस तर्क को खारिज करते हुए कि इससे दावेदारों को दोहरा लाभ मिलेगा, अदालत ने स्पष्ट किया कि नियोक्ता द्वारा प्रदान किए गए बीमा लाभ एक स्वतंत्र अनुबंध से उत्पन्न होते है, और उनका मोटर वाहन अधिनियम के तहत मिलने वाले वैधानिक मुआवजे से कोई सीधा संबंध नहीं है।

मिडिल ईस्ट जंग में ब्रिटेन की भी एंट्री!

अरब सागर में उतारी परमाणु पनडुब्बी अमेरिका के हवाले किया मिलिट्री बेस

नई दिल्ली, एजेंसी

मिडिल ईस्ट में जंग लगातार जारी है। 20 से अधिक दिनों से चल रहे इस युद्ध में हमले थमने का नाम नहीं ले रहे। अब इस संघर्ष में ब्रिटेन की भागीदारी भी बढ़ती दिखाई दे रही है। ब्रिटेन ने अपनी सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करते हुए अरब सागर में एक परमाणु संचालित पनडुब्बी तैनात की है। HMS Anson नामक यह पनडुब्बी टॉमहॉक ब्लॉक आईवी क्रूज मिसाइलों से लैस है, जो सैकड़ों मील दूर स्थित लक्ष्यों पर हमला करने की क्षमता रखती है। बता दें, ब्रिटेन ने अपनी नीति में बड़ा बदलाव करते हुए अमेरिका को ईरान के खिलाफ अपने सैन्य बेस इस्तेमाल करने की अनुमति दी है। अब स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में जहाजों को निशाना बना रहे ईरानी ठिकानों को तबाह करने के लिए अमेरिकी ब्रिटिश ठिकानों का उपयोग कर सकता है।

इस बीच ब्रिटेन मैरीटाइम अथॉरिटी ने जानकारी दी है कि यूएई के तट के पास एक कमर्शियल जहाज को निशाना बनाया गया है। KMTO ने बताया कि यूएई के शारजाह से लगभग 15 नॉटिकल मील उत्तर में एक घटना की जानकारी मिली है। एक बल्क कैरियर के कप्तान ने बताया कि जहाज के पास किसी अज्ञात प्रोजेक्टाइल के कारण धमाका हुआ। हालांकि सभी क्रू मेंबर्स सुरक्षित बताए जा रहे हैं।

लेबनान में जमीनी हमले तेज

इस्राइली सेना ने कहा है कि दक्षिण लेबनान में उसका जमीनी अभियान जारी है और उसने कई हिजबुल्ला ठिकानों पर हमला किया। सेना के अनुसार, कम से कम 10 हिजबुल्ला लड़ाके मारे गए, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि ये हमले कब और कहां हुए। इस दौरान रिपोर्ट्स में कहा गया कि खियम और तैयबेह जैसे रणनीतिक शहरों के आसपास भारी संघर्ष हुआ। हिजबुल्लाह ने दावा किया कि उसने रातभर कम से कम 12 हमले किए, जिनमें कई रॉकेट हमले भी शामिल थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ईरान द्वारा इस्राइल पर मिसाइल हमले के बाद मध्य इस्राइल में धमाके सुने गए। मीडिया ने बताया कि ये धमाके ईरान से दागी गई मिसाइलों के कुछ ही समय बाद हुए। फिलहाल, किसी के घायल होने या नुकसान की खबर नहीं है।

महाजंग के बीच दमदार कूटनीति, एक और एलपीजी कार्गो शिप भारत पहुंचा

मंगलुरु। मिडिल ईस्ट में जंग की वजह से हालात ख़राब है। ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच जंग छिड़ी है। और इस जंग का सबसे बड़ा असर पड़ा है होर्मुज की खाड़ी पर है। वो पतला समुद्री रास्ता जिससे दुनिया का 20 फीसदी तेल और गैस गुजरता है। ईरान ने धमकी दी कि जो जहाज इस रास्ते से निकलेगा, उस पर हमला होगा। बस इतना सुनते ही सैकड़ों जहाज वहीं लंगर डालकर रुक गए। भारत के भी कई जहाज खाड़ी में फंसे पड़े हैं। सवाल उठा - अगर गैस के जहाज नहीं आए तो भारत में रसोई गैस का क्या होगा? क्या घरों के चूल्हे बुझ जाएंगे? लेकिन भारत पहले से तैयार था। होर्मुज पर निर्भरता कम करते हुए भारत ने अमेरिका से एलपीजी को लेकर संपर्क साधा। और इसका नतीजा अभी सामने है। अमेरिका के टेक्सास से निकला जहाज रविवार सुबह मंगलुरु बंदरगाह पहुंच गया। यह अकेला नहीं है। 25 मार्च को अपोलो ओसियन 26,687 टन गैस लेकर आएगा। इंडियन ऑयल और भारत पेट्रोलियम के लिए। 29 मार्च को अमेरिका से एक और जहाज 30,000 टन गैस लेकर आएगा - यह एचपीसीएल के लिए है। यानी इस हफ्ते अकेले मंगलुरु में 72,700 टन से ज्यादा रसोई गैस पहुंचेगी। यह गैस सिर्फ मंगलुरु के लिए नहीं है। एचपीसीएल की पाइपलाइन यहां से सीधे बेंगलुरु और आगे तक जाती है। यानी दक्षिण भारत के लाखों घरों के चूल्हे इसी गैस से जलेंगे। होर्मुज में जंग चल रही है, रास्ता बंद है। लेकिन भारत ने वक्त रहते अमेरिका का रुख किया और सप्लाई बनाए रखी।

विश्व जल दिवस पर पीएम ने दी शुभकामनाएं

जल, पृथ्वी के भविष्य को आकार देता है, हर बूंद पानी की है अहमियत

नई दिल्ली, एजेंसी

आज विश्व जल दिवस के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता को शुभकामनाएं दी और पानी को जीवन और पृथ्वी के भविष्य का आधार बताया। उन्होंने हर नागरिक से अपील की कि हर बूंद की कीमत समझें और जल का जिम्मेदारी से उपयोग करें। आज दुनियाभर में जल दिवस के रूप में मनाया जा रहा है और इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनता को शुभकामनाएं दी। उन्होंने जोर देकर कहा कि पानी केवल जीवन का आधार नहीं, बल्कि पृथ्वी के भविष्य को आकार भी देता है। पीएम मोदी ने सभी लोगों से अपील की कि हर बूंद की कीमत समझना हमारी जिम्मेदारी है और इसे बचाना हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि आज का दिन उन लोगों को भी सलाम करने का अवसर है, जो सतत प्रथाओं, जागरूकता और संरक्षण के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा कि विश्व जल दिवस पर आइए हम हर एक बूंद पानी को बचाने और जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने का संकल्प दोहराएं। उन्होंने जनता से अपील की कि जल का सुरक्षित, जिम्मेदारी और सतत तरीके से इस्तेमाल करें। पीएम मोदी ने अपने पोस्ट में इस बात पर भी जोर दिया कि आज का दिन उन लोगों को सम्मानित करने का भी अवसर है, जो सतत् प्रथाओं को अपनाते हैं, जागरूकता फैलाते हैं और संरक्षण की संस्कृति को बढ़ावा देते हैं।

बड़े बदलाव की तैयारी

सेना, नौसेना व सीडीएस पद पर आएंगे नए चेहरे; मई में खत्म हो रहा अनिल चौहान का कार्यकाल

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के शीर्ष सैन्य नेतृत्व में अगले तीन महीनों में व्यापक बदलाव देखने को मिलेगा। इस प्रक्रिया की शुरुआत नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) की नियुक्ति से होगी। मौजूदा सीडीएस जनरल अनिल चौहान का कार्यकाल 30 मई को खत्म हो रहा है। सरकार अप्रैल में नए सीडीएस के नाम पर फैसला लेगी। सीडीएस के अलावा सेना प्रमुख, नौसेना प्रमुख और डीआरडीओ अध्यक्ष जैसे अहम पदों पर भी बदलाव तय हैं।

सीडीएस जनरल अनिल चौहान का विस्तारित कार्यकाल 30 मई को खत्म होने जा रहा है। वह देश के दूसरे सीडीएस हैं और लगभग 4 वर्ष से इस पद पर हैं। दिनांक 15 मई 1964 को जन्मे नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी भी मई के अंत में 62 वर्ष की आयु सीमा पूरी कर रिटायर होंगे। वहीं 1 जुलाई 1964 को जन्मे सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी 30 जून को 62 वर्ष की अधिकतम आयु पूरी करेंगे।

इधर रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) के अध्यक्ष डॉक्टर समीर कामत भी 31 मई को रिटायर होने जा रहे हैं।

अप्रैल के अंत तक नए सीडीएस के नाम पर लग जाएगी मुहर

रक्षा मंत्रालय के संशोधित नियमों के मुताबिक नए सीडीएस के चयन के लिए पात्रता का दायरा काफी व्यापक है। तीनों सेनाओं के ऐसे सभी थ्री स्टार अधिकारी (लेफ्टिनेंट जनरल, एयर मार्शल, वाइस एडमिरल) जो सेवारत हैं या पिछले दो साल के भीतर रिटायर हुए हैं, इसके पात्र हैं। हालांकि चयन के समय अधिकारी की आयु 62 वर्ष से कम होनी चाहिए। सरकार के पास लगभग 150 से अधिक अफसरों का पूल है, जिससे नए सीडीएस का चुनाव हो सकता है। कैबिनेट की नियुक्ति समिति के अप्रैल के अंत तक नए सीडीएस के नाम पर मुहर लगाने की संभावना है।

अमित शाह कल रास में पेश करेंगे सीएपीएफ से संबंधित विधेयक

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह सोमवार को राज्यसभा में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सामान्य प्रशासन) विधेयक, 2026 पेश करेंगे जिसका उद्देश्य सीएपीएफ अधिकारियों की भर्ती, प्रतिनियुक्ति और पदोन्नति को विनियमित करना है। राज्यसभा द्वारा जारी कार्यसूची में यह जानकारी दी गई है। सभी सीएपीएफ -केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) - अपने-अपने अधिनियमों द्वारा संचालित होते हैं। इन अधिनियमों के तहत बने नियम सीएपीएफ में समूह 'ए' सामान्य ड्यूटी अधिकारियों तथा अन्य अधिकारियों और कर्मियों की भर्ती एवं सेवा शर्तों को नियंत्रित करते हैं। सूत्रों के अनुसार, कार्यगत और परिचालन संबंधी आवश्यकताओं के विस्तार तथा समय के साथ विकसित हुए प्रत्येक सीएपीएफ के विशिष्ट संगठनात्मक ढांचे के कारण इस कानून की आवश्यकता पड़ी।

मथुरा में अफवाहों से भड़का बवाल

फरसा वाले बाबा के बाद ड्राइवर की भी मौत, 13 गिरफ्तार, कई हैं रडार पर

मथुरा। मथुरा में कल सड़क हादसे में गौरक्षक फरसा वाले बाबा की मौत हो गई थी। इस दौरान घायल ट्रक चालक ने भी अस्पताल में दम तोड़ दिया है। कोसीकला थाना क्षेत्र में शुक्रवार की रात ये घटना हुई। पुलिस का कहना है कि घने कोहरे के बीच दो ट्रकों की आपस में टक्कर हो गई, जिसमें गौ रक्षक चंद्रशेखर उर्फ फरसे वाले बाबा की मौके पर ही मौत हो गई थी। इस हादसे के बाद फैली अफवाहों ने माहौल तनावपूर्ण कर दिया था। अफवाह फैलाने को लेकर पुलिस ने 13 गिरफ्तारियां की हैं। पुलिस के मुताबिक, यह घटना पूरी तरह से एक सड़क दुर्घटना थी, जो कोहरे के कारण हुई। लेकिन हादसे के बाद कुछ असामाजिक तत्वों ने इसे गौतस्करी से जोड़कर अफवाह फैलानी शुरू कर दी। देखते ही देखते यह मामला तूल पकड़ गया और इलाके में तनाव की स्थिति बन गई। अफवाहों के चलते कुछ लोगों ने नेशनल हाईवे को जाम कर दिया और पुलिस पर पथराव भी किया। हालात बिगड़ते देख पुलिस को सख्ती बरतनी पड़ी। इस मामले में थाना छाता क्षेत्र में गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया गया है और अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

मेट्रो एंकर | **हिंदी सिनेमा का सबसे बड़ा दिन बना शनिवार, वर्ल्ड वाइड 500 करोड़ भी पार**

धुरंधर-2 को मिली 100 करोड़ की ईदी!

नई दिल्ली, एजेंसी

धुरंधर 2 ने सिर्फ 3 दिनों में पक्का कर दिया है कि इसका भौकाल हिंदी फिल्मों के इतिहास में सुनहरे अक्षरों से लिखा जाएगा। ईद के दिन रणवीर सिंह की इस फिल्म के लिए जनता में ऐसा दीवानापन दिखा कि देशभर में कई थिएटर्स चौबीस घंटे के लिए खुले हैं। कुछ थिएटर्स में एक दिन में ऑलमोस्ट 40 शोज चल रहे हैं, लेकिन फिर भी टिकट बुक करने पर अपनी पसंद की सीटें मिल पाना मुश्किल है। धुरंधर 2 का ये दीवानापन शनिवार को ऐसा बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड लेकर आया, जो पिछले 8 सालों से एक सपना था। शनिवार को, ईद 2026 के दिन धुरंधर 2 ने सिर्फ हिंदी वर्जन से ही 100 करोड़ से ज्यादा कलेक्शन किया है।

धुरंधर 2 लेकर आई हिंदी सिनेमा का सबसे बड़ा दिन- गुरुवार को धुरंधर 2 ने पहली बार बॉलीवुड को दिखाया कि एक दिन में 100 करोड़ कलेक्शन संभव है। इसका नेट ओपनिंग कलेक्शन 102 करोड़ से ज्यादा था, जिसमें हिंदी वर्जन का हिस्सा 99।10 करोड़ था। धुरंधर 2 बॉक्स ऑफिस पर पहली बार सिर्फ हिंदी से एक दिन में 100 करोड़ कमाने के ऐतिहासिक मोमेंट से बहुत करीब पहुंचकर चूक गई थी। 2018 में जब आमिर खान की ठग्स ऑफ हिंदोस्तान ने एक दिन में 50 करोड़ से ज्यादा कलेक्शन किया था, तब से बॉलीवुड फैन्स में ये चर्चा होती रही है कि क्या कभी कोई फिल्म हिंदी में 100 करोड़ का सिंगल डे कलेक्शन कर पाएगी? सैकनिल्क की रिपोर्ट बताती है कि धुरंधर 2 ने ईद के दिन करीब 113 करोड़ नेट इंडिया कलेक्शन किया है। ये किसी बॉलीवुड फिल्म का सबसे बड़ा सिंगल डे कलेक्शन है और इसमें सिर्फ हिंदी वर्जन से 105 करोड़ आए हैं। आदित्य धर की शानदार फिल्म धुरंधर 2 अब हिंदी में 100 करोड़ सिंगल डे कलेक्शन करने वाली पहली फिल्म बन गई है। इससे पहले हिंदी में सबसे बड़ा सिंगल डे कलेक्शन पुष्पा 2 के नाम था।

सबसे तेज 300 करोड़

धुरंधर 2 ने शनिवार की शानदार कमाई के साथ सिर्फ 3 दिन में 300 करोड़ का आंकड़ा भी पार कर लिया। 5 दिन में 300 करोड़ कलेक्शन का बॉक्स ऑफिस माइलस्टोन पार करने वाली पुष्पा 2 को इसने पीछे छोड़ दिया है। धुरंधर 2 अब सबसे तेज 300 करोड़ कमाने वाली फिल्म है। तीन दिन में फिल्म का टोटल नेट कलेक्शन 339 करोड़ से ज्यादा पहुंच गया। रविवार को सुबह से ही धुरंधर 2 रॉकेट बन चुकी है। आपके सामने ये रिपोर्ट पहुंचने तक धुरंधर 2 करीब 350 करोड़ नेट कलेक्शन के साथ 2026 की सबसे बड़ी बॉलीवुड फिल्म बन चुकी है। 341 करोड़ कमाने वाली बॉर्डर 2 को धुरंधर 2 ने 4 दिन पूरे होने से पहले ही पीछे छोड़ दिया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564